श्रावण शुक्ल पक्ष पंचमी, संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 26 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

29 जुलाई 2025 मंगलवार

आज का मौसम

24 अधिकतम

23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा, आज मोदी-राहुल भी बोलेंगे

पहलगाम में 26 मौतों के गुनहगार ढेर अमित शाह-बोले हमने भागने नहीं दिया

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में आज लगातार दूसरे दिन ऑपरेशन सिंदूर पर बहस शुरू हुई है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने इस दौरान कहा कि- जिन आतंकियों ने पहलगाम में पर्यटकों को मारा था, वो तीनों आतंकी मारे गए है। शाह ने बताया कि 22 मई को आईबी के पास ह्युमन इंटेल आई, दाछीगाम क्षेत्र के अंदर आतंकियों की मौजूदगी की जानकारी मिली। जानकारी को पुख्ता करने के लिए मई से 22 जुलाई तक लगातार कोशिशें की गईं। ऊंचाई पर सिग्नल हासिल करने के लिए सेना के जवान घूमते रहे। 22 जुलाई को सेंसर के माध्यम से आतंकियों की मौजूदगी की पुष्टि हुई। फिर पुलिस, सेना के जवानों ने आतंकियों को घेरने का काम किया। शाह ने कहा कि कल महादेव ऑपरेशन में सुलेमान, फैजल अफगान और जिब्रान तीन आतंकी एक संयुक्त अभियान में मारे गए। सुलेमान लश्कर का कमांडर था। इसके ढेरों सबूत हैं। अफगान और जिब्रान ए श्रेणी के आतंकी थे। ये तीनों पहलगाम हमले के आतंकी थे और तीनों मारे गए। शाह ने कहा कि पहलगाम में निर्दोष लोगों की हत्या पाकिस्तान द्वारा की गई। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए परमिशन दी और सेना ने पाकिस्तानी अड्डों को चूर-चूर कर दिया। उन्होंने कहा- पहलगाम में टूरिस्टों को धर्म पूछकर बर्बरता से हत्या की गई।

इससे पहले संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्ष ने वोटर वेरिफिकेशन के मुद्दे पर सदन के बाहर मकर द्वार के बाहर प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसद हाथ में पोस्टर लिए

सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते नजर आए। सदन में सुबह प्रश्नकाल चला। आज विपक्ष की ओर से राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव भी बोल सकते हैं। गत दिवस लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर करीब 11 घंटे चर्चा चली थी।

इधर... मप्र विस परिसर में कांग्रेस विधायकों ने बजाई बीन

भोपाल दोपहर मेट्रो। मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन भी कांग्रेस विधायकों ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में बीन बजाते हुए प्रदर्शन किया। एक विधायक को भैंस का वेष पहनाया गया और बाकी उनके आगे बीन बजाते दिखे।कांग्रेस विधायकों का कहना था कि मध्यप्रदेश सरकार भैंस की तरह सोई हुई है। ओबीसी को 27 परसेंट आरक्षण नहीं मिल रहा...युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही, हम सवाल लगाते हैं तो सरकार जवाब नहीं देती। ऐसे में हम उसे बीन बजाकर जगा रहे हैं। आज सदन में कांग्रेस, हरदा में 13 जुलाई को राजपूत छात्रावास में हुए लाठीचार्ज, देवास के खिवनी में बारिश के दौरान आदिवासियों के घर तोड़ने की कार्रवाई को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में भी है। इसके अलावा बारिश के कारण

खराब सड़कें, मूंग खरीदी में गड़बड़ी, खाद वितरण में हुई अनियमितताओं पर भी हंगामे के आसार हैं।

इससे पहले भैंस के गेटअप में पहुंचे पोहरी से कांग्रेस विधायक कैलाश कुशवाह ने कहा- सरकार भैंस की तरह सिर्फ खा रही है, सभी योजनाओं को डकार रही है। जनता परेशान है, किसान की फसल चौपट हो गई, गरीबों के मकान गिर गए...इस पर सरकार कुछ नहीं बोलती है। इस पर सदन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- विपक्षी सदस्य आज नागपंचमी पर भैंस लेकर आए। कभी गिरगिट लेकर आते हैं। आप चुने हुए प्रतिनिधि हैं, मर्यादा बनाकर रखना चाहिए।

मप्र के 3 दर्जन जिलों में मूसलधार बारिश

34 जिलों में बरसात से बिगड़े हालात, आज की रात और भारी

भोपाल दोपहर मेट्रो

मप्र के तीन दर्जन जिलों में जबर्दस्त बारिश ने अफरातफरी मचा रखी है। सुबह से भोपाल व नर्मदापुरम संभाग के जिलों में बारिश आफत बनकर बरस रही है। आज यहां 8 इंच तक बारिश की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग का कहना है कि मप्र में लो प्रेशर एरिया और ट्रफ की एक्टिविटी है। इस वजह से अति भारी या भारी बारिश का दौर बना हुआर है। आज मंगलवार को कल के मुकाबले ज्यादा भारी बारिश का अंदेशा है। खास तौर पर बारिश के मामले में आज की रात बहुत भारी हो सकती है। भोपाल में रातभर जबर्दस्त बारिश हुई है और सुबह भी यह क्रम टूटा नहीं है। बड़े तालाब के जलस्तर में तेजी से बढोतरी हो रही है क्योंकि इसके मुख्य स्त्रोत कोलांस नदी में तेजी से पानी बढा है। कोलांस एक फीट ऊपर बह रही है। इससे बड़ा तालाब का वाटर लेवल 1661.05 फीट पानी हो गया है। हालांकि यह फुलटेंक लेवल से पांच फीट कम है।

उधर रायसेन,सीहोर, इटारसी में भी रात से तेज बारिश है। आज सुबह तवा डैम के नौ गेट खोल दिए गए। ग्वालियर, शिवपुरी, अशोकनगर, मुरैना, श्योपुर, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में तो बारिश का कोटा पूरा हो गया है। इन जिलो में आज भी भारी बारिश का अलर्ट है। इसी तरह गुना, राजगढ़, आगर-मालवा, शाजापुर, देवास, सीहोर, हरदा, बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, सिवनी, नरसिंहपुर, जबलपुर, डिंडौरी, अनूपपुर, उमरिया, कटनी, दमोह और पन्ना में भारी बारिश का अलर्ट है। तवा और नर्मदा नदी के किनारे बसे गांवों के लोगों को सतर्क रहने और नदी किनारे न जाने की सलाह दी गई है।

हिमाचल में फिर बादल फटे राजस्थान में सड़कों पर नाव

हिमाचल प्रदेश के मंडी में सोमवार देर रात बादल फटने से अब तक 2 लोगों की मौत व कईयों के लापता होने की खबर है। 15 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया। चंडीगढ़-मनाली और मंडी-जोगेंद्रनगर फोरलेन बंद हो गया है। राजस्थान में भारी बारिश से कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। चित्तौड़गढ़, झालावाड़, कोटा, पाली और सिरोही में घरों तक में पानी घुस गया है। टोंक-चित्तौड़गढ़ में बारिश से हुए हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। भीलवाड़ा में सड़कों पर नाव चल रही हैं। देशभर में बारिश के कारण जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने मंगलवार को हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, बिहार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

नर्मदापुरम में आज सुबह प्रशासन ने स्कूलों की छुट्टी का आदेश जारी किया। भोपाल में बारिश की वजह से कार्मल कॉन्वेंट और सेंट जोसेफ कोएड स्कूल में छुट्टी कर दी गई है। कई स्कूलों में अघोषित छुट्टी जैसा माहौल है।

तेज बहाव में बच्चे बहे

विदिशा के ग्यारसपुर में पॉलिथीन ओढ़ी एक बच्ची अपने भाई के साथ स्कूल वैन का इंतजार कर रही थी। तभी पानी का तेज बहाव आया और बच्ची बह गई। उसे बचाने उसका भाई दौड़ा, लेकिन वह भी बहने लगा। बच्ची लोडिंग वाहन के नीचे से बहते हुए चौराहे तक पहुंच गई और चीखती रही। चौराहे पर खड़े लोगों ने समय रहते उसे पकड़ लिया और सुरक्षित बाहर निकाला। (और पढ़ें पेज 5)

गणेशोत्सव: सड़क पर हर गड्ढे के लिए 15 हजार जुर्माना

मुंबई। गणेशोत्सव पर इस बार नगरीय निकाय ज्यादा सतर्क है। इस साल मंडप निर्माण के मामले में नगर निगम के नए 'जुर्माना नियम' जारी किये हैं। इसके तहत अगर गणेश मंडल सड़क पर गड्ढे खोदते हैं तो उन्हें प्रत्येक गड्ढे के लिए 15 हजार रुपये का जुर्माना देना होगा। मंडलों ने इस फैसले का विरोध किया है। इसके पहले यह जुर्माना केवल 2 हजार रू था इस बार यह जुर्माना साढ़े सात गुना बढ़ा दिया गया है। इसलिए, कई सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों ने इसे 'अनुचित करार दिया है। उनका कहना है कि मंडप की संरचना की दृष्टि से मंडप के निर्माण के लिए गड्ढे खोदना आवश्यक है। इतना बड़ा जुर्माना उन पर आर्थिक बोझ बनकर आएगा।

झपकी आने से ड्राइवर नीचे गिरा, बस बेकाबू हुई

देवघर में कांवड़ियों की बस व ट्रक में भिडंत से 5 मौतें

देवघर एजेंसी

आज तड़के बिहार के देवघर में बस और ट्रक के बीच टक्कर में 5 कांवड़ियों की मौत हो गई जबकि 23 कांवड़िए घायल हुए हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। हालांकि पहले गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर 18 लोगों की मौत की जानकारी दी थी। यह हादसा मंगलवार सुबह 5 बजे देवघर के मोहनपुर प्रखंड के जमुनिया चौक के पास नावापुरा गांव में हुआ है। बताया जा रहा है कि कई लाशें मलबे में फंसी हैं, जिसे निकालने की कोशिशें जारी रहीं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का आधा हिस्सा पूरी तरह से धंस गया। कांवड़ियों के झोले और सामान बस में लटके दिख रहे हैं।

चालीस कांवड़ियों से भरी बस देवघर से बासुकीनाथ जा रही थी। बस देवघर से 18 किमी पहले सामने से आ रहे सिलेंडर लदे ट्रक से टकरा गई। पुलिस के मुताबिक, बस ड्राइवर को झपकी आ जाने के कारण हादसा हुआ। टक्कर के बाद ड्राइवर सीट समेत सड़क पर गिर गया, उसकी मौके पर ही मौत हो गई। साथ ही तीन महिला कांवड़ियों की घटनास्थल पर जान चली गई। 5 मृतकों में 4 बिहार के हैं। ड्राइवर सुभाष तूरी देवघर का रहनेवाला था। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई।

मैहर की अंजना माउंट एल्ब्रस की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंची

मैहर। मप्र के मैहर जिले की ग्राम बेंदुराकला की अंजना सिंह ने यूरोपीय महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रस पर चढ़ाई कर भारत का तिरंगा लहरा कर कीर्तिमान रच दिया है। अंजना ने यूरोपीय महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रस 5,642 मीटर चोटी की चढ़ाई की। शिखर पर पहुंचकर अंजना ने राष्ट्रगान गाया। अंजना ने 18 जुलाई को मैहर से यात्रा शुरु की। जिसके बाद 21 जुलाई को वह दुबई होते हुए रूस पहुंची तथा 23 जुलाई को बेस कैंप पहुंचकर 24-25 जुलाई से माउंट एल्ब्रस पर चढ़ाई शुरु की। अचानक 26 जुलाई को तबियत खराब होने के उसे कारण वहीं रूकना पड़ा। फिर 26-27 की दरमियानी रात माउंट एबरेस्ट की चढ़ाई शुरु कर सुबह 6 बजे चोटी पर पहुंचकर तिरंगा लहराया।

बाघ दिवस पर कार्यक्रम

सीएम ने वन्यजीव ट्रांस लोकेशन व रेस्क्यू वाहनों का लोकार्पण किया

भोपाल दोपहर मेट्रो

अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर आज राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव वन्य जीव ट्रांस लोकेशन, रेस्क्यू एवं डॉग स्क्वॉड वाहनों का लोकार्पण कर रहे हैं। उन्होंने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में वन्य जीव संरक्षण गतिविधियों से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। । इसके बाद वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली वन सुरक्षा समितियों, ईको विकास समिति, ग्राम वन समिति और वन कर्मियों को पुरस्कृत भी करेंगे। कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप सिंह अहिरवार, अपर मुख्य सचिव वन अशोक बर्णवाल, वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। इससे

पहले सीएम ने विस परिसर में कैबिनेट बैठक की,इसमें मप्र के अनुपूरक बजट के मसौदे समेत कई प्रस्तों पर चर्चा की गई।

यमन में भारतीय नर्स की मौत की सजा कायम

नई दिल्ली एजेंसी। यमन की जेल में बंद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की मौत की सजा

रद्द होने की खबर गलत निकली है। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने निमिषा की सजा रद्द होने की जानकारियों को भ्रामक बताया व कहा कि ये जानकारियां मौजूदा स्थिति को सही ढंग से नहीं दर्शातीं। इससे पहले भारतीय ग्रैंड मुफ्ती कांथापुरम एपी अबूबकर मुसलियार के ऑफिस ने दावा किया था कि निमिषा प्रिया की पहले स्थगित की गई मौत की सजा को अब रद्द कर दिया गया है। निमिषा प्रिया यमन में एक हत्या के मामले में मौत की सजा का सामना कर रही हैं। उन्हें एक यमनी नागरिक की हत्या के लिए दोषी ठहराया गया था।

मेट्रो एंकर

कोबरा की देश में 300 से ज्यादा प्रजातियां

भारत का कोबरा चीन से ज्यादा जहरीला, सबसे ज्यादा सर्पदंश

नई दिल्ली, एजेंसी

नागपंचमी पर शहरों गांवों में अपनी पेटिं में सांप लेकर बीन बजाते घूमने वाले सपेरों का समय तो अब चला गया है लेकिन आज देश में नागपंचमी का त्योहार परंपरागत रूप से मनाया जा रहा है। इसके साथ ही भारत में पाये जाने वाले सांपों का जिक् भी ताजा हो गया है। भारत में जो बिग फोर सांप पाए जाते हैं, उनमें किंग कोबरा यानी फन वाले नाग बेहद खतरनाक माने जाते हैं। इनका जहर इतना घातक होता है कि ये शरीर के दो अंदरूनी हिस्सों को जल्द क्षतिग्रसत कर देता हैं। इसीलिए कहा जाता है कि इनका काटा पानी भी नहीं मागता है। ये बिग फोर कैटेगरी वाले सांप न्यूरोटॉक्सिक होते हैं, जो सीधे दिल और दिमाग पर चोट करते हैं। वहीं, चीन में जो कोबरा पाए जाते हैं, वो भारतीय कोबरा के मुकाबले छोटे और कम जहरीले होते हैं। भारत के कोबरा जहां 7 से 10 फीट तक लंबे होते हैं। वहीं, चीन के कोबरा करीब 4 फीट तक ही होते हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत में इतने सांप हैं कि अंग्रेज इसे सपेरों का देश कहकर बुलाते थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, ये कोबरा इतने घातक होते हैं कि पूरी दुनिया में सांपों के काटने से हर साल 81,000 से लेकर 1,38,000 लोगों की मौत हो जाती है। इनमें से अकेले भारत में

ही करीब 58,000 लोग जान गंवा बैठते हैं। भारत में नाग वंश के राजा तक्षक की कहानी प्रचलित है। भारत का कोबरा बहुत जहरीला है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत में किंग कोबरा समेत सांपों की 300 से ज्यादा प्रजातियां हैं। हालांकि भारत में 95 फीसदी सांप जहरीले नहीं होते हैं। लेकिन बिग फोर का काटा ही सब पर भारी पड़ जाता है। ये बिग फोर हैं-इंडियन कोबरा, करैत, रसेल वाइपर और वाइपर। दुनिया भर में सांपों की 3,000 से ज्यादा प्रजातियां हैं। इनमें से 600 से ज्यादा प्रजातियां जहरीली हैं।

मिलियन डेथ स्टडी

स्नेक बाइट यानी सांप काटने को लेकर 1998 से लेकर 2014 के बीच एक स्टडी को मिलियन डेथ स्टडी कहा जाता है। इसके अनुसार, भारत में हर साल करीब 60 हजार लोग सांप काटने की वजह से जान गंवा बैठते हैं। यह नंबर दुनिया में सबसे ज्यादा है। दूसरा नंबर अफ्रीकी देश नाइजीरिया का है्। जहां आंकड़ा 1,460 है।

एकमात्र इलाज, यदि समय पर मिले तो...

बताया जाता है कि सांप काटने का इकलौता इलाज है एंटीवेनम थेरेपी। इसे अगर समय रहते सटीक डोज दे दिया गया तो सांप के जहर के असर कम किया जा सकता है और किसी की जान बचाई जा सकती है। एंटीवेनम बनाने के लिए सबसे पहले सांप के जहर को जुटाया जाता है। इससे खास तौर बनाए गई फैसिलिटी में सहेजकर रखा जाता है। ऐसी इकलौती फैसिलिटी तमिलनाडु में है।

शहर की यातायात व्यवस्था व अन्य मामलों पर किया गौर

सभाकक्ष से निकलकर सड़कों पर उतरे अफसर

भोपाल दोपहर मेट्रो

लंबे समय से राजधानी की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिये बैठकों में जुटे अफसर कल सडक पर उतरे। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बारिश के बीच शहर की ट्रैफिक व्यवस्था देखी। उन्होंने कई लेफ्ट टर्न और ब्लैक स्पॉट देखें जो बरसों से वाहन चालकों की लिये समस्या बने हुए हैं। साथ ही पुलिस अधिकारियों से खामियां समझीं। उन्होंने सड़क किनारे ऊंचाई वाले पेड़ों की छंटाई करने को कहा।

कलेक्टर के साथ जिपं सीईओ इला तिवारी, एसीपी ट्रैफिक बीएस कौल समेत जिला प्रशासन, पुलिस, नगर निगम और पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे। उन्होंने निर्देश दिए कि ट्रैफिक को लेकर एक प्रजेंटेशन बनाया जाए। जिसमें खामियों को कैसे दूर किया जाए, यह भी हो। कलेक्टर अमले के साथ सात नंबर क्षेत्र में पहुंचे। यहां ब्लैक स्पॉट और लेफ्ट टर्न को व्यवस्थित करने को कहा। वे डिस्ट्रिक कोर्ट के सामने, प्लेटिनम प्लाजा और जेपी हॉस्पिटल के पास वाले चौराहे पर भी पहुंचे। बता दें कि 27 जून को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई थी। इसमें स्कूलों में ई-रिक्शा का संचालन बंद होने समेत कई निर्णय लिए गए थे। पिछले सप्ताह ही ई-रिक्शा पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है।

वहीं, बैठक में लिए गए अन्य निर्णय को कितना अमल में लाया गया, यह जांचने के लिए कलेक्टर ने दौरा किया। कलेक्टर ने ट्रैफिक सिग्नल, चौराहे-तिराहे का उन्नयन करने, लेफ्ट टर्न, डिवाइडर बनाने, रोड मार्किंग, स्टॉप लाइन, रोड साइन बोर्ड लगाने, स्पीड ब्रेकर, रम्बल स्ट्रिप्स के निर्माण, ब्लैक स्पॉट को लेकर भी चर्चा की।

रेल यात्रियों के लिए बड़ी राहत

उज्जैन-संत हिरदाराम नगर के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

भोपाल दोपहर मेट्रो

यात्रियों की बढ़ती संख्या और सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने उज्जैन-संत हिरदाराम नगर-उज्जैन के मध्य एक स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन विशेष किराए (स्पेशल फेयर) पर संचालित की जाएगी और रास्ते में आठ प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव लेगी। इस स्पेशल ट्रेन में सामान्य श्रेणी के कोच उपलब्ध रहेंगे, जिससे सामान्य यात्रियों को राहत मिलेगी और अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

यात्रियों के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

- ट्रेन 09311 (उज्जैन-भोपाल स्पेशल) यह विशेष ट्रेन 26 जुलाई से 31 अगस्त तक प्रतिदिन उज्जैन से दोपहर 2:05 बजे रवाना होगी और तराना रोड 2:15, मक्सी 2:53, बेरछा 3:15, कालीसिंध 3:30, शाम अकोदिया 4:20, शुजालपुर 4:40, कालापीपल 5, सीहोर 5:45 बजे होते हुए शाम 6:35 बजे संत हिरदाराम नगर पहुंचेगी।
- ट्रेन 09312 (संत हिरदाराम नगर-उज्जैन स्पेशल) वापसी दिशा में यह ट्रेन प्रतिदिन संत हिरदाराम नगर से रात 9:35 बजे रवाना होगी और सीहोर रात 22:06, कालापीपल 22:34, शुजालपुर 22:49, अकोदिया 23:03, कालीसिंध 23:32, बेरछा 23:46, मक्सी रात 12:20, तराना रोड 12:31 होते हुए रात 1:35 बजे उज्जैन पहुंचेगी।

राजधानी में लबे समय से जारी रिमझिम ने आम जनजीवन से जुड़े कई दृश्य पैदा किए है। वहीं शहर को हरियाली की चादर भी ओढ़ा दी है

शहरी बस्तियों में कहर बनकर बरस रही बारिश, सड़कों और मकानों में घुसा पानी

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी में तीन दिन से जारी तेज बरसात से शहर के पुराने क्षेत्र में आने वाले छोला इलाके की उड़िया बस्ती, शंकर नगर और कल्याण नगर एफसीआई गोदाम के पास भारी बारिश के बाद जलभराव की गंभीर समस्या देखने को मिल रही है। बीती रात से हो रही मूसलाधार बारिश के चलते यहां के कई रिहायशी मकानों और गलियों में पानी भर गया, जिससे स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ गई है। बारिश का पानी नालियों के ओवरफ्लो होने के कारण मकानों में घुस गया है, जिससे घरों में रखा सामान भीग गया और रहवासियों को रातभर जागकर समय बिताना पड़ा। सड़कों पर भरे पानी के कारण लोगों को आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ इलाकों में तो घुटनों तक पानी भर गया है, जिससे स्कूली बच्चों और कामकाजी लोगों की परेशानी और भी बढ़ गई है।

प्रशासन की लापरवाही, नागरिकों में नाराजगी

स्थानीय रहवासियों का कहना है कि प्रशासन की लापरवाही और जल निकासी व्यवस्था की खराब हालत के कारण हर साल बारिश में यही हाल होता है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है। कल्याण नगर और एफसीआई गोदाम के पास की सड़कें कीचड़ और पानी से लबालब है, जिससे वाहन चालकों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।लोगों ने नगर निगम से जल्द जल निकासी की व्यवस्था सुधारने और प्रभावित इलाकों में राहत पहुंचाने की मांग की है। वहीं, स्थानीय पार्षदों और जनप्रतिनिधियों की गैरमौजूदगी को लेकर भी नागरिकों में नाराजगी देखने को मिल रही है। अपेक्षा की जा रही है कि प्रशासन तत्काल प्रभाव से इन इलाकों में जलभराव की समस्या का समाधान करे, ताकि नागरिकों को राहत मिल सके और भविष्य में इस तरह की परेशानी से बचा जा सके।

छात्रों ने किया प्रिंटिंग प्रेस का दौरा ज्ञान को मिला औद्योगिक अनुभव

संतनगर। ज्ञान शक्ति है, और मुद्रण इसे खोलने की कुंजी है। इसी विचार को साकार करते हुए, नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल, भोपाल के कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों ने सोमवार का शैक्षणिक भ्रमण किया।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने प्रिंटिंग प्रेस की आधुनिक कार्यप्रणाली को करीब से देखा। उन्होंने प्लेट बनाने, पेपर चुनने, ऑफसेट व डिजिटल प्रिंटिंग, स्याही मिश्रण, कटिंग, फोल्डिंग, बाइंडिंग और पैकेजिंग जैसी विभिन्न प्रक्रियाओं को समझा। Mesh Printing Press के सीईओ श्री अनिरुद्ध अग्निहोत्री ने स्वयं छात्रों का स्वागत किया और हर प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। प्रेस के अनुभवी कर्मचारियों ने भी सरल भाषा में महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस शैक्षणिक यात्रा ने विद्यार्थियों को माध्यमिक क्षेत्र (की कार्यशैली समझने और उनके सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक जीवन से जोड़ने में मदद की। विद्यालय प्रबंधन ऐसी व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि छात्रों का सर्वांगीण विकास हो।

मिठी स्कूल में मॉनिटर्स की नियुक्ति, भावी नेतृत्व निर्माण की पहल

संतनगर। मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में मॉनिटर्स और सहायक मॉनिटर्स की नियुक्ति की गई। प्रत्येक कक्षा से चुने गए इन विद्यार्थियों को बैज प्रदान किए गए और उन्हें उनके दायित्वों, कर्तव्यों व अनुशासन संबंधी नियमों से अवगत कराया गया। विद्यालय छात्र परिषद का भी औपचारिक गठन किया गया। यह परिषद विद्यालय में अनुशासन, स्वच्छता, समयबद्धता और संपत्ति की सुरक्षा के साथ-साथ कक्षा व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मॉनिटर्स का चयन उनकी अनुशासित कार्यशैली, उत्तरदायित्व की भावना और नेतृत्व क्षमता के आधार पर किया गया है। संस्था अध्यक्ष सिद्ध भाऊजी ने अपने संदेश में मॉनिटर्स को निष्ठा और समर्पण के साथ अपने कर्तव्य निभाने के लिए प्रेरित किया। संस्थान सचिव घनश्याम बूलचंदानी ने कहा कि नेतृत्व का प्रारंभ सदैव दायित्वबोध की भावना से होता है। विद्यालय प्राचार्य अजय बहादुर सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि मॉनिटरशिप न केवल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का माध्यम है।

स्टेशन पर रेलवे की तकनीकी विरासत का दीदार होगा

भोपाल दोपहर मेट्रो

भारतीय रेलवे की समृद्ध तकनीकी विरासत को संरक्षित करने की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम उठाया जा रहा है। इसके तहत रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर वर्ष 1991 में सेवा में आए एक विशेष नैरो गेज (एनजी) इंजन को धरोहर के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक इंजन का औपचारिक उद्घाटन स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को किया जाएगा।

आरकेएमपी के मुख्य द्वार पर रखा जाएगा 22 टन का इंजन

जानकारी के मुताबिक 22 टन वजनी यह एनजी लोको नंबर 514 (जेडडीएम5) इंजन 3 नवंबर 2023 को रेलवे द्वारा आधिकारिक रूप से धरोहर का दर्जा प्रदान किया गया था। इसका निर्माण वर्ष 1991 में हुआ था और इसे प्रारंभ में धौलपुर क्षेत्र में नैरो गेज ट्रेनों के संचालन में लगाया गया था। इसने अपनी पहली यात्रा 3 जून 1991 को की और लगभग 28 वर्षों तक सेवाएं देने के बाद एक अप्रैल 2019 को सेवानिवृत्त कर दिया गया। इसके बाद, इसे अंतिम बार 30 मार्च 2023 को चलाया गया और एक अप्रैल 2023 को औपचारिक रूप से सेवा से बाहर कर दिया गया।

इस इंजन को वैक्यूम डीजल एनसीआर लोको शेड द्वारा लंबे समय तक संरक्षित रखा गया। इसके बाद इसे 23 जुलाई को धौलपुर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन लाया गया और स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर विशेष रूप से सजाकर प्रदर्शित किया जाएगा। नैरो गेज पटरियों पर चलने वाले इस इंजन की चौड़ाई मात्र 762 मिमी होती है, जो सामान्य ब्राड गेज की तुलना में बहुत कम है। नैरो गेज ट्रेनों का उपयोग भारत के पहाड़ी व ग्रामीण इलाकों में व्यापक रूप से होता रहा है। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के महाप्रबंधक मोहित सोमैया के मुताबिक यह इंजन भारतीय रेलवे के तकनीकी विकास और इतिहास का प्रतीक है। इसे संरक्षित करके भविष्य की पीढ़ियों को रेलवे की विरासत से जोड़ने का प्रयास किया गया है।

भाभा यूनिवर्सिटी में 'मानसून कॉर्निवल' में दिखाई छात्रों ने दिखाई उद्यमिता की झलक

भोपाल। भाभा यूनिवर्सिटी में 'मानसून कार्निवल' का आयोजन किया गया। इस रंगारंग कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कई छात्रों ने भाग लेते हुए विभिन्न प्रकार के स्टॉल्स लगाए, जिनमें फूड स्टॉल्स, हस्तनिर्मित राखियों के स्टॉल्स, साड़ी एवं आभूषण स्टॉल्स, गेम स्टॉल्स और अन्य विविध स्टॉल्स शामिल थे। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों में उद्यमिता कौशल को प्रोत्साहित करना था। कार्निवल का शुभारंभ सीईओ श्रीप्रसाद पिल्लई ,कुलपति डॉ. दिलीप कुमार डे व अन्य स्टाफ की उपस्थिति में किया गया। कार्निवल का एक और आकर्षण मेंहदी प्रतियोगिता रही, जिसमें छात्रों ने हरियाली तीज थीम पर अपनी कला का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने परंपरागत सांस्कृतिक भावनाओं को सुंदर तरीके से प्रस्तुत किया। आयोजन ने छात्रों को न केवल एक मंच प्रदान किया, बल्कि उन्हें भविष्य के उद्यमी बनने की प्रेरणा भी दी।

मेट्रो एंकर

राहगीरों, बच्चों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए परेशानी

सड़कों पर बेखौफ आवारा कुत्ते, बेखबर प्रशासन!

नागरिकों की मांग

नागरिकों की प्रशासन से मांग है कि शहरभर में अभियान चलाकर आवारा कुत्तों को पकड़ा जाए, उनकी नसबंदी कर उन्हें सुरक्षित शेल्टर होम में रखा जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके और शहर में सुरक्षित माहौल बना रहे।

भोपाल दोपहर मेट्रो

शहर की सड़कों पर इन दिनों आवारा कुत्तों का आतंक कम होने का नाम नहीं ले रहा है। शहर के कई इलाकों–अरेरा कॉलोनी, कोलार रोड, भेल क्षेत्र, करोंद और न्यू मार्केट में सड़कों पर झुंड के झुंड आवारा कुत्ते बेखौफ घूमते नजर आ रहे हैं। राहगीरों, बच्चों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए ये कुत्ते परेशानी का कारण बनते जा रहे हैं, लेकिन नगर निगम और संबंधित प्रशासन इस गंभीर समस्या की ओर आंखें मूंदे बैठा है।अक्सर शाम के वक्त जब सड़कें थोड़ी सुनसान होती हैं, तब ये कुत्ते और ज्यादा आक्रामक हो जाते हैं। कई इलाकों से बच्चों पर हमले और बाइक सवारों को गिराने की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं। बुजुर्ग और महिलाएं इन कुत्तों के डर से अकेले बाहर निकलने से कतराते हैं।

नगर निगम द्वारा समय-समय पर आवारा कुत्तों की नसबंदी और पकड़ने के दावे किए जाते हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत कुछ और ही बयां करती है। आमजन अब सवाल कर रहा है कि आखिर कब इस समस्या पर ठोस कार्रवाई की जाएगी?

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने वरिष्ठ पत्रकार स्व. जगदीप सिंह बैंस की श्रद्धांजलि सभा में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और परिवारजनो के प्रति संवेदना जताई।

सीएम हाउस में आज भाजपा विधायक दल की बैठक

कांग्रेस को जवाब व खुद की घेराबंदी से बचने जुटेंगे भाजपा विधायक

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

विधानसभा के अंदर कांग्रेस के आरोपों पर जवाब देने और अपनी सरकार को अपनों की घेराबंदी से बचाने के लिए आज मंगलवार को सीएम हाउस में भाजपा विधायक दल की बैठक होगी। इसमें सीएम डॉ. मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल व संगठन पदाधिकारी समेत मंत्री व विधायक शामिल होंगे। माना जा रहा है कि उक्त बैठक में भाजपा द्वारा कांग्रेस के आरोपों का आक्रमक जवाब देने और अपनों की घेराबंदी से बचने की रणनीति बनाएगी। हालांकि सत्ता व संगठन की ओर से पहले ही विधायकों को संकेत दे दिए गए हैं कि सदन के अंदर अपनी ही सरकार को घेरने जैसी स्थिति पैदा न करे।

नाराज विधायकों से बात कर सकते हैं मंत्री

सूत्रों के मुताबिक उक्त बैठक में ही भाजपा के उन विधायकों से सत्ता व संगठन के पदाधिकारी वन-टू-वन बात कर सकते हैं, जिन्होंने तीखे सवाल पूछे हैं। इसके पीछे की मंशा सवाल पूछने वाले सत्तापक्ष के विधायकों को हतोत्साहित करना नहीं होगा, बल्कि उन्हें सवालों से जुड़ी स्थिति से अवगत कराया जाएगा। यदि सवाल पूछने के पीछे किसी कि कोई नाराजगी छुपी है तो उसे भी दूर करने के प्रयास होंगे, ताकि सदन के अंदर सत्ता पक्ष के विधायक और मंत्री के सवाल-जवाब में उलझन की स्थिति पैदा न हो।

सीएम ने कांग्रेस पर कसा तंज, कहा जिनकी आंखों में तिनका, वे दुनिया को गंदा देख रहे

सीएम डॉ. मोहन यादव ने सत्र शुरू होने से पहले कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि जिनकी आंखों में तिनका है, वे दुनिया को गंदा देख रहे हैं। इसका कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने कांग्रेस का नाम लिए बिना यह तंज रविवार शाम को कसा। विधानसभा सचिवालय ने सत्र के दौरान परिसर में नारेबाजी पर रोक लगाई है, जिसको लेकर कांग्रेस विरोध कर रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा, यह जनता के मुद्दों को दबाने जैसे प्रयास है। सीएम ने चौपाई जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन जैसी, चौपाई दोहराते हुए जवाब दिया कि विधानसभा अध्यक्ष के पास यह अधिकार है, उन्होंने जो किया, वह हमेशा की प्रक्रिया है, उक्त व्यवस्था की याद दिलाई है।

प्रदेश के प्रमुख बांधों में लगभग 70 प्रतिशत हुआ जल भराव

भोपाल। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि प्रदेश में बारिश की स्थिति अच्छी है. इस मानसून में मध्यप्रदेश में आज दिनांक तक 645.20 मि.मी. वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है, जो प्रदेश की औसत वर्षा से 54त्न अधिक है। राज्य के पूर्वी हिस्से में औसत से 66त्न अधिक एवं पश्चिमी हिस्से में औसत से 44त्न अधिक वर्षा दर्ज की गई है। विगत वर्ष आज की स्थिति में मध्यप्रदेश में वास्तविक वर्षा 447.40 मिलीमीटर दर्ज हुई थी, जो कि प्रदेश की औसत वर्षा से 7त्न अधिक थी। प्रदेश के प्रमुख बांधों में जल भराव की स्थिति भी अच्छी है। विगत वर्ष आज दिनांक की स्थिति में प्रदेश के प्रमुख बांधों में लगभग 43.67त्न औसत जल भराव था, जबकि इस वर्षाकाल में अच्छी बारिश के चलते प्रदेश के प्रमुख बांधों में 69.45त्न जलभराव हो चुका है। प्रदेश के 22 बांधों के जल द्वार खोले जा चुके हैं। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने सोमवार को मुख्य अभियंता बोधी कार्यालय स्थित राज्य बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्रदेश में वर्षा और जलाशयों में जलभराव की स्थिति की समीक्षा की।

सरकार का कुबूलनामा: पूर्व मंत्री, पूर्व एसीएस ने कहा था- सीईओ पद के योग्य नहीं

आपत्ति के बावजूद बैंस ने बेलवाल को आजीविका मिशन में बनाया था CEO

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे रिटायर्ड आईएफएस ललित मोहन बेलवाल आजीविका ग्रामीण मिशन में सीईओ के पद के योग्य नहीं थे। तब भी पूर्व सीएस इकबाल सिंह बैंस ने उनकी नियुक्ति कराई थी। नियुक्ति कराने से पहले बैंस को उस समय के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया व विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज श्रीवास्तव ने सबकुछ बताया था, यहां तक कि लिखित में आपत्तियां भी दर्ज कराई थी, जिस पर बैंस ने तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से बात होने का हवाला देकर नियुक्ति करा दी थी।

यह खुलासा किसी और ने नहीं, बल्कि खुद सरकार ने विधानसभा में पूछे एक सवाल के जवाब में किया है। सवाल धार की सरदारपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक प्रताप ग्रेवाल ने पूछा था।बेलवाल 2018 में रिटायर्ड हुए थे, जिन्हें 2020 में मिशन में सीईओ नियुक्ति किया था। वह हजारों करोड के पोषण आहार घोटाला, अगरबत्ती मशीन खरीदी घोटाला, नियुक्ति घोटाला, पत्तल दोना मशीन घोटाला, स्कूटी घोटाला बीमा घोटाला, रोजगार मेला जैसे घोटालों के आरोपों से घिरे हैं, उनके खिलाफ वर्ष 2024 में लोकायुक्त ने प्रकरण भी दर्ज किया है।

कांग्रेस विधायक प्रताप ग्रेवाल द्वारा सदन में पूछे सवाल के जवाब में सरकार ने दिया जवाब

ये विवाद नहीं छोड़ रहे पीछा

बेलवाल 31 दिसंबर 2018 को सेवानिवृत्त हुए थे उन्हें 18 माह बाद नियम के विपरीत, बिना आवेदन, सहमति, विज्ञप्ति निकाले संविदाकर्मी के रूप में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी बनाया था। फिर 11 दिन बाद 29 जुलाई 2020 को सीईओ बनाया। बेलवाल नवंबर 2023 तक सीईओ रहे तथा तीन बार उन्हें संविदा कर्मी नियुक्त किया गया। तब के अपर मुख्य सचिव श्रीवास्तव ने कहा था कि बेलवाल को सलाहकार और सहयोग के लिए नियुक्त किया है, सीईओ के लिए नहीं किया। संविदा कर्मी को वित्तीय कार्य वाला सीईओ नहीं बना सकते। यहां तक कि उस समय सीएस के आदेश पर अपर मुख्य सचिव ने टीप लिखी कि यह पद का दुरुपयोग है शक्ति का पक्षपातपूर्ण उपयोग है।

मंत्री भी नियुक्ति के पक्ष में नहीं थे

ग्रेवाल को दिए जवाब में दावा किया है कि तत्कालीन मंत्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया ने अपर मुख्य सचिव की टीप का समर्थन करते हुए बेलवाल को सीईओ बनाए जाने व वित्तीय अधिकार दिए जाने पर आपत्ति दर्ज कराई थी। यह भी लिखा था कि इस पद पर किसी आईएएस को ही नियुक्त किया जाए।

नोटशीट गोपनीय रखने के निर्देश

तब अपर मुख्य सचिव मनोज श्रीवास्तव ने बेलवाल के आदेश जारी करते हुए लिखा था कि उक्त आदेश की प्रति जीएडी कार्मिक, मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजा जाए, ताकि किसी को इस पर आपत्ति हो तो तुरंत करेक्टिव एक्शन लिया जा सके। जिस पर बैंस ने 13 मई 2021 को निर्देश दिए थे कि सम्पूर्ण नोटशीट गोपनीय रखी जाए। बेलवाल के कार्यकाल में नियुक्ति घोटाले तथा अन्य घोटाले को लेकर आईएएस नेहा मारव्या ने फरवरी 2022 में जांच शुरू की और 8 जून 2022 को प्रतिवेदन दिया था, जिसमें बेलवाल पर घोटाले को लेकर विभिन्न धाराओं में आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की अनुशंसा की थी।

एक दर्जन विवि में परीक्षा नियंत्रक नियुक्त कर जिम्मेदारी होगी तय

भोपाल। प्रदेश के एक दर्जन विश्वविद्यालयों में परीक्षा नियंत्रक की नियुक्ति को लेकर प्रक्रिया शुरू हो गई है। उच्च शिक्षा विभाग को करीब डेढ़ दर्जन आवेदन प्राप्त हुए हैं। उनकी स्क्रूटनी कर 31 जुलाई को इंटरव्यू रखे गए हैं। इसके लिए कमेटी तैयार की जा रही है। इसमें अध्यक्ष एसीएस अनुपम राजन होंगे। शेष सदस्यों के चयन की प्रक्रिया चलन में हैं, जो आज कल में पूरी हो जाएगी।

प्रदेश के विश्वविद्यालयों का आलम यह है कि पीजी में प्रवेश हो चुके हैं और विवि अभी तक अंतिम वर्ष के रिजल्ट नहीं दे सके हैं। यहां तक बरकतउल्ला विश्वविद्यालय यूजी के चौथे वर्ष का मूल्यांकन कार्य पूरा नहीं कर सका है। यहां भी यूजी तीसरे वर्ष के रिजल्ट पीजी के दूसरे राउंड की काउंसलिंग के दौरान जारी किए गए हैं। लेटलतीफी का यह आलम है कि उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी कॉलेजों को यूजी के द्वितीय और तृतीय वर्ष में विद्यार्थियों का प्रमोट करने के आदेश जारी कर दिए हैं, लेकिन अभी तक विवि परीक्षाएं नहीं करा कसा है। इसलिए विद्यार्थियों को प्रमोट किया जाएगा, रिजल्ट के बाद उनकी कक्षाएं तय होंगी। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए विभाग ने सभी विवि में परीक्षा नियंत्रक नियुक्त कर उनकी जिम्मेदारी तय करेगा।

70% वेटेज नेट स्कोर और 30% वेटेज साक्षात्कार के अंकों का होगा

बीयू में पीएचडी प्रवेश के लिए 30 से 7 अगस्त तक साक्षात्कार होंगे

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) में पीएचडी प्रवेश के लिए 30 जुलाई से 7 अगस्त तक साक्षात्कार होंगे। यानी रिसर्च एडवाइजरी कमेटी (आरएसी) साक्षात्कार सिर्फ नौ दिन में ही पूरे हो जाएंगे। पीएचडी उम्मीदवारों को तीन कैटेगरी में रखा गया है। जेआरएफ प्राप्त उम्मीदवारों का प्रवेश केवल साक्षात्कार के आधार पर होगा। वहीं, श्रेणी 2 और 3 के उम्मीदवारों के लिए प्रवेश प्रक्रिया में 70 प्रतिशत वेटेज नेट स्कोर और 30 प्रतिशत वेटेज साक्षात्कार के अंकों का होगा।

दो हजार 812 सीटें

दरअसल, बीयू में दस फैकल्टी के 34 विषयों में पीएचडी की 2 हजार दो हजार 812 सीटें मौजूद हैं। दो साल से प्रवेश परीक्षा नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को पीएचडी करने का मौका मिल रहा है। वहीं दूसरी तरफ पीएचडी अवार्ड होने से लगातार सीटें रिक्त होती चली जा रही थीं। दो हजार 812 सीटों पर प्रवेश देने महज 933 विद्यार्थियों के आवेदन ही मिले है। बीयू आरएसी साक्षात्कार के बाद अंतिम वरीयता सूची जारी करेगा। बीयू ने नेट स्कोर के आधार पर पीएचडी में प्रवेश करा रहा है। बता दें कि पूर्व जारी कार्यक्रम में इंटरव्यू 29 जुलाई से शुरू होकर 18 अगस्त तक होना थे।

आनंदम सहयोगी प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

भोपाल। जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान, भोपाल में तीन दिवसीय ÷आनंदम सहयोगी प्रशिक्षण कार्यशाला÷ संपन्न हुई। कार्यशाला में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के विभिन्न जिलों से आए 52 अधिकारियों और कर्मचारियों ने सहभागिता की। कार्यशाला का आयोजन राज्य आनंद संस्थान आनंद विभाग द्वारा किया गया। कार्यशाला में संस्थान के निदेशक सत्यप्रकाश आर्य ने कहा कि मानव का मूल स्वभाव आनंदित रहना है। जब व्यक्ति आत्मचिंतन करता है, संबंधों की गहराई को समझता है और आंतरिक शांति की ओर बढ़ता है, तभी सच्चे आनंद की अनुभूति होती है। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने आत्म-निरीक्षण, जीवन मूल्य, कृतज्ञता, क्षमा, संबंध सुधार तथा सेवा भावना जैसे विषयों पर केंद्रित सत्रों में भाग लिया। कार्यशाला के संचालन में राज्य आनंद संस्थान के मास्टर ट्रेनर अनिल कांबले, मनीष परमार, श्रीमती यमुना विश्वकर्मा, श्रीमती मनीषा कांबले, श्रीमती मीनू पांडे, प्रदीप महतो, मुकेश आर्य तथा अजीत महतो प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर

भोपाल में जल्द शुरू होगा प्रदेश का पहला महाशीर कैफे

जलाशयों का निगरानी तंत्र होगा हाईटेक

भोपाल, दोहपर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहकार से समृद्धि लाने के लक्ष्य को ज़मीन पर उतारने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में पहली बार महाशीर कैफे शुरू किये जा रहे हैं। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर भोपाल में पहला महाशीर कैफे खुलेगा। इसके बाद इंदौर, जबलपुर जैसे अन्य बड़े शहरों में भी इस तरह के कैफे खुलेंगे। महाशीर मध्यप्रदेश की राज्य मछली है। महाशीर कैफे के माध्यम से मछुआ भाईयों की नई पीढ़ी को व्यापार के नये अवसर मिलेंगे। मछुआ समुदाय ही इंडियन कॉफी हाऊस और अमूल की तर्ज पर महाशीर रेस्टॉरेंट और कैफे चलायेंगे। इनके जरिए जनता को प्रोटीन युक्त हाइजीनिक मछली और सी फूड उपलब्ध कराये जायेंगे। यहां रेडी-टू-ईट मछलियों के साथ डेकोरेटिव मछलियाँ भी मिलेंगी। मत्स्य महासंघ ने मंत्रालय में संपन्न हुई बैठक में ऐसे कई अहम फैसले लिए। बैठक की अध्यक्षता करते हुये प्रदेश के मछुआ कल्याण और मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पंवार ने बताया कि नवाचार के तहत भोपाल के प्रमुख

स्थान पर मछली उपभोक्ताओं के लिये सारी सहूलियत के साथ महाशीर कैफे खुलेगा। सहकारिता के माध्यम से ये कैफे चलाये जायेंगे। इनका उद्देश्य राज्य में मछली का व्यापार बढ़ाना है। ऐसा नवाचार भारत में पहली बार मध्य प्रदेश में हो रहा है। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार पंवार ने कहा कि बड़े जलाशयों में काम करने वाले निषादराज भाईयों और मछुआ समितियों की सुरक्षा राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता है। विभाग की देखरेख में ये सुनिश्चित किया जायेगा कि चोरी से मत्स्य आखेट ना हो।

टेक्नोलॉजी डिफ्यूज़न सेंटर से आएगी आधुनिकता

मत्स्य महासंघ की एमडी सुनिधि निवेदिता ने बताया कि भारत सरकार के एफआईडीएफ के तहत भोपाल के भदभदा क्षेत्र में अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी डिफ्यूज़न सेंटर बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। मत्स्य महासंघ ने इस बैठक में देश के सबसे बड़े इंदिरा सागर जलाशय में मछली पालन को आधुनिक बनाने के लिये ड्रोन, जीपीएस और कन्ट्रोल रूम स्थापित करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति मिल गई है। मध्य प्रदेश मत्स्य महासंघ की एमडी सुनिधि निवेदिता ने बताया कि मत्स्य आखेट के दौरान मछुआ भाईयों के विश्राम के लिये जलाशयों के किनारे या टापुओं पर ट्रांजिट हाउस बनाने पर विचार किया गया है। इसके साथ ही मत्स्याखेट पारिश्रामिक की दरें बढ़ाने का भी अनुमोदन हो गया है।

संपादकीय

भीड़ प्रबंधन में अदूरदर्शिता

भीड़ के जुटान के दृश्य भारत में नये नहीं हैं, भीड़ के प्रति भारतीय लोगों की सहनशीलता भी काफी है। यानी जब तक बहुत बड़ी कोई दिक्कत न हो,भीड़ में लोग बहुत असहज महसूस नहीं करते, लेकिन इन सबके बावजूद देश में जरूरतों के बावजूद भीड़ प्रबंधन के पुराने लगने वाले इंतजाम ही आज तक आजमाए जा रहे हैं। यह बात इसलिये फिर मौजूं हुई है क्योंकि दो दिन पहले हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में एक अफवाह ने कई जानें ले लीं। किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना नहीं थी, लेकिन अफसोस है कि पुरानी गलतियों से सबक नहीं लिया गया। इसके अगले दिन यानि कल बाराबंकी में एक मंदिर में भगदड से मौतें हुई,इसकी वजह करंट बताया गया,जो बिजली के तार के मंदिर के शेड पर गिरने से फैला था। यदि हम पिछले एक साल पर नजर दौड़ाएं तो इस तरह के कई दुखद हादसे हो चुके हैं। पिछले साल जुलाई में ही हाथरस में एक धार्मिक आयोजन में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। वहां आयोजक भीड़ को नहीं संभाल पाए। इस साल जनवरी की शुरुआत में तिरुपति मंदिर में टोकन लेने के लिए हद से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच गए और पुलिस उनको काबू नहीं कर सकी। भगदड़ मची तो छह लोगों की जान चली गई। इसी साल, मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में और उसके बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी हादसा हुआ। धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन हमेशा से बड़ी चुनौती रहा है। अनुमान से ज्यादा लोग जब एक जगह जुट जाते हैं, तब हल्की-सी भी चूक जानलेवा बन सकती है। इन सारे मामलों में यही वजह, कोई अफवाह, भीड़ का अनियंत्रित हो जाना और निकलने की जगह न मिलना ही रही। जबकि किसी भी बड़े आयोजन का सबसे अहम हिस्सा क्राउड मैनेजमेंट होता है। यह जरूरी नहीं है कि भीड़ के बारे में लगाया गया अनुमान हमेशा सही साबित हो। ऐसे में रियल टाइम मॉनिटरिंग अहम हो जाती है, जिससे स्थिति के हिसाब से तुरंत निर्णय लिया जा सके। इस तरह की कोई दुर्घटना होने की सूरत में बचाव की योजना पहले से तैयार रहनी चाहिए। लेकिन, देखा गया है कि ज्यादातर मौकों पर पहले से की गई प्लानिंग बेकार हो गई, क्योंकि इंतजाम नाकाफी थे। तमाम धार्मिक स्थलों पर फैली अव्यवस्था को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। फिसलन भरे रास्ते, संकरी जगह, आने-जाने का एक ही मार्ग जैसी बातें लगभग हर जगह देखने को मिल जाएंगी। ऐसे में जब किसी खास मौके पर भीड़ बढ़ती है तो स्वाभाविक ही हादसे की आशंका भी बढ़ जाती है, जैसा सावन पर मनसा देवी में हुआ। बेंगलुरु में आरसीबी टीम इवेंट में हुए हादसे के बाद कर्नाटक सरकार क्राउड कंट्रोल पर एक बिल लेकर आई है, जिसमें जिम्मेदारियां तय की गई हैं। ऐसे कानून की हर जगह जरूरत है। साथ ही, ऐसी दुर्घटनाओं से बचने के लिए आयोजकों, पुलिस-प्रशासन और जनता को समन्वय में काम करना होगा। बड़े पैमाने पर जन-जागरूकता की जरूरत है, जिससे लोगों को बताया जा सके कि भीड़ के बीच उन्हें किस तरह का व्यवहार करना है। अफसरों का हर बार यह तर्क कि अनुमान से ज्यादा लोग आ गए थे, बहुत ही सतही लगता है,क्योंकि सिर्फ आयोजकों के अनुमान पर ही यदि पुलिस व प्रशासन निर्भर रहेंगे तो इस तरह के हादसे होने की गुंजाइश भी बनी रहेंगी। इसलिये भीड प्रबंधन के लिये अफसरों के प्रशिक्षण को ज्यादा व्यापक और जवाबदेही को और सख्त बनाने की भी जरूरत है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के 5 वर्ष

वर्तमान परिदृश्य एवं चुनौतियो के बीच परिवर्तन की ठोस नींव

■ प्रो. रवीन्द्र नाथ तिवारी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भारतीय शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन की ठोस नींव रखी है, किंतु इसके क्रियान्वयन में वित्तीय, प्रणालीगत और संरचनात्मक चुनौतियाँ विद्यमान हैं। राज्यों में असमान क्रियान्वयन, ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल डिवाइड, शिक्षकों की कमी और व्यावसायिक शिक्षा का सीमित प्रभाव प्रमुख बाधाएँ हैं। इन चुनौतियों से निपटने हेतु विकेंद्रीकृत क्षमता निर्माण, सार्वजनिक-निजी भागीदारी और समावेशी शिक्षा व्यवस्था आवश्यक है। मध्य प्रदेश ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में अनुकरणीय एवं प्रशंसनीय कार्य किया है। केंद्र व राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों से ही यह संभव हो सकेगा। शिक्षा समवर्ती विषय होने के कारण संयुक्त निगरानी व समयबद्ध संसाधन जुटाना आवश्यक है। शिक्षा राष्ट्र के समग्र विकास का आधार है और आदर्श शिक्षकों के माध्यम से ही भारत पुनः विश्वगुरु की भूमिका निभा सकता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को केंद्र सरकार ने देश की बदलती आवश्यकताओं और वैश्विक मानकों को ध्यान में रखते हुए 29 जुलाई, 2020 को लागू किया। यह नीति भारतीय परंपरा और सांस्कृतिक मूल्यों को सहेजते हुए ऐसे नागरिकों का निर्माण करना चाहती है जो तर्कसंगत, करुणाशील, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से युक्त और नैतिक मूल्यों से प्रेरित हों। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के पाँच वर्ष पूर्ण हुए हैं, जो भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक युगांतरकारी परिवर्तन का प्रतीक है। इस नीति का उद्देश्य दशकों पुरानी औपनिवेशिक शिक्षा प्रणाली को परिवर्तित कर वर्तमान की आवश्यकताओं के अनुरूप एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था स्थापित करने हेतु जो व्यावहारिक, कौशल-आधारित, समावेशी और समग्र विकास पर केंद्रित हो। वर्ष 2040 तक सभी वर्गों के विद्यार्थियों को समान रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो, लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अपने पाँच वर्षों की यात्रा में इस नीति ने पाठ्यक्रम सुधार, डिजिटल एकीकरण और शिक्षक प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। नीति में शामिल सुधार चरणबद्ध और समग्र दृष्टिकोण पर आधारित हैं, जहाँ एक पहल दूसरे की नींव बनती है। इन पाँच वर्षों में नीति के विभिन्न आयामों–जैसे स्कूली शिक्षा में लचीलापन, उच्च शिक्षा में बहुविषयकता, और डिजिटल लर्निंग को लेकर–अहम प्रयास हुए हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का सबसे महत्वपूर्ण सुधार स्कूली शिक्षा की संरचना में किया गया परिवर्तन है, जिसमें पारंपरिक 10+2 प्रणाली की जगह अब 5+3+3+4 संरचना लागू की गई है। यह नई प्रणाली बच्चों के 3 वर्ष की आयु से संज्ञानात्मक विकास पर केंद्रित है। इसके अंतर्गत एनसीईआरटी ने 'जादुई पिटारा', 'बाल वाटिका' और 'विद्याप्रवेश' जैसी पहलें शुरू की हैं, जो खेल आधारित और अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा देती हैं। पाठ्यक्रम के बोझ को कम करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजाइन थिंकिंग और डेटा साइंस जैसे भविष्योपयोगी विषय शामिल किए गए हैं। मूल्यांकन प्रणाली में सुधार करते हुए 2026 से सीबीएसई कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएँ वर्ष में दो बार आयोजित होंगी। कौशल विकास को

मुख्यधारा में लाते हुए, व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने वाले स्कूलों की संख्या 2014-15 में 1,850 से बढ़कर 2024-25 में 29,342 हो गई है।

उच्च शिक्षा में लचीलापन और गुणवत्ता पर बल देते हुए 'राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा योग्यता फ्रेमवर्क' और 'एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट' के साथ 'मल्टीपल एंट्री-एग्जिट' प्रणाली लागू की गई है। स्वयं पोर्टल से ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा मिला है, जिसमें 40 प्रतिशत क्रेडिट ट्रांसफर की सुविधा है। पिछले दशक में 7 नए IIT, 8 IIM, 13 AIIMS और 354 एकलव्य मॉडल स्कूल स्थापित हुए हैं। MBBS सीटें 2014 में 54,348 से बढ़कर 2025 में 1,18,190 हो चुकी हैं। डिजिटल शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए 'दीक्षा', 'स्वयं प्रभा' और 'पीएम ई-विद्या' जैसे प्लेटफॉर्म पर 126 भारतीय और 7 विदेशी भाषाओं में सामग्री उपलब्ध है। 'निष्ठा 3.0' के तहत 26 लाख से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में भारत के 54 संस्थानों को स्थान मिला है। नवाचार, स्टार्टअप और भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है। अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु 2023 में अनुसंधाननेशनलरिसर्चफाउंडेशन की स्थापना हुई तथा रुसा योजना का विस्तार कर प्रधानमंत्रीउच्चतरशिक्षाअभियान लागू की गई, जिससे उच्च शिक्षा में समावेशिता और गुणवत्ता को बढ़ावा मिला है। इस नीति से शिक्षा अधिक समावेशी, तकनीकी-नवाचार केंद्रित और भारतीय ज्ञान प्रणाली से जुड़ी शिक्षा को प्रेरित किया जा रहा है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के विश्लेषण से परिलक्षित होता है, जहाँ कई लक्ष्य प्राप्त कर लिए गए हैं, जबकि कुछ महत्वपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त किया जाना शेष है ।नीति की लगभग 40 प्रतिशत पहलें पूरी हो चुकी हैं। इनमें पीएम श्री स्कीम का क्रियान्वयन, 'निपुण भारत' मिशन के तहत मूलभूत साक्षरता, और 'विद्या-प्रवेश' स्कूल तैयारी कार्यक्रम प्रमुख हैं। दीक्षा जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म और 'परख' जैसे राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र की स्थापना महत्वपूर्ण सफलताएँ हैं। साथ ही, 4-वर्षीय इंटीग्रेटेड बी.एड. कोर्स भी शुरू हो चुका है।लगभग 35 प्रतिशत लक्ष्य 'इन प्रोग्रेस' हैं। इनमें 'अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट' का विस्तार, कक्षा 6 से वोकेशनल शिक्षा की शुरुआत, और 'नेशनल रिसर्च फाउंडेशन' की स्थापना शामिल है।हालाँकि, लगभग 25 प्रतिशत लक्ष्य, जो बड़े और संरचनात्मक हैं, उनकी प्रगति अपेक्षाकृत धीमी है। शिक्षा पर जीडीपी का 6 प्रतिशत खर्च करने का लक्ष्य अभी भी प्रतीक्षारत है। 'थ्री-लैंग्वेज फॉर्मूला' का सार्वभौमिक क्रियान्वयन और विश्वविद्यालयों को पूरी तरह 'मल्टी-डिसिप्लिनरी' बनाने में चुनौतियाँ बनी हुई हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भारतीय शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन की ठोस नींव रखी है, किंतु इसके क्रियान्वयन में वित्तीय, प्रणालीगत और संरचनात्मक चुनौतियाँ विद्यमान हैं। राज्यों में असमान क्रियान्वयन, ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल डिवाइड, शिक्षकों की कमी और व्यावसायिक शिक्षा का सीमित प्रभाव प्रमुख बाधाएँ हैं। इन चुनौतियों से निपटने हेतु विकेंद्रीकृत क्षमता निर्माण, सार्वजनिक-निजी भागीदारी और समावेशी शिक्षा व्यवस्था आवश्यक है। मध्य प्रदेश ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में अनुकरणीय एवं प्रशंसनीय कार्य किया है। केंद्र व राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों से ही यह संभव हो सकेगा। शिक्षा समवर्ती विषय होने के कारण संयुक्त निगरानी व समयबद्ध संसाधन जुटाना आवश्यक है। शिक्षा राष्ट्र के समग्र विकास का आधार है और आदर्श शिक्षकों के माध्यम से ही भारत पुनः विश्वगुरु की भूमिका निभा सकता है।

(साभार : लेखक,पीएम कालेज ऑफ एक्सीलेंस रीवा में प्राचार्य हैं। यह उनके निजी विचार हैं)

कारगिल युद्ध: एक पत्रकार की आंखों देखी सच्चाई व अनसुनी दास्तान

■ अजीत सिंह

कारगिल युद्ध की रिपोर्टिंग के लिए जब मैं कारगिल पहुंचा तो एक हद तक यह एक सुनसान शहर था। मैं श्रीनगर से सेना द्वारा आयोजित मीडिया पार्टी का हिस्सा था। प्रमुख मीडिया नेटवर्क के संवाददाताओं वाली पार्टी ने युद्ध क्षेत्र में जाने के लिए सेना की अनुमति प्राप्त करने के लिए श्रीनगर में तीन सप्ताह से अधिक समय तक इंतजार किया था।मैं फिल्म डिवीजन की टीम के साथ डीएवीपी की वैन में सफ़र कर रहा था। हमने युद्ध क्षेत्र में कुछ कहीं फंस जाने की संभावना से निपटने के लिए ब्रेड, मक्खन, बिस्कुट और चावल का पर्याप्त कोटा साथ लिया था। मेरे पास मेरे टेप रिकॉर्डर के अलावा एक सैटेलाइट फोन भी था। 12000 फीट ऊंचे जोजिला दर्रे को पार करते हुए, हमारा पहला हाल्ट एक बोफोर्स तोप बैटरी थी जो ऊंची पहाड़ी के पार पाकिस्तानी सेना पर भारी गोलाबारी कर रही थी ताकि हमारे सैनिक आगे बढ़ सकें। यह दृश्य मीडिया के लिए काफी लुभावना था। हम बोफोर्स तोप की मारक क्षमता से बड़े प्रभावित हुए। उन दिनों भी इस तोप की खरीदी में भ्रष्टाचार का मुद्दा चल रहा था। पिछले शासन के दौरान स्वीडन से इसकी खरीद की गई थी।

कुछ आगे चलकर एक स्थान पर सेना के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उस क्षेत्र और भारतीय सेना की स्थिति के बारे में एक ब्रीफिंग दी गई। द्रास कस्बे के नजदीक तोलोलिंग रिज को पाकिस्तानी घुसपैठियों से खाली करा लिया गया था। दोपहर के भोजन के समय हमने कुछ जवान फौजी अफ़सरों से भी बात की। वे बड़े उत्साहित लग रहे थे। उस समय मुख्य लड़ाई टाइगर हिल पर चल रही थी। टाइगर हिल द्रास कस्बे के पश्चिम में एक सीधी ऊँची चोटी है। गाइडेड मिसाइलों के साथ बमबारी की फ़्लैश लाइट दिखाई दे रही थी। वहाँ से हमने कारगिल शहर की ओर रुख किया जो पूर्व दिशा में पड़ता है।

संकरी सड़क एक नदी के किनारे चलती है और इसका कुछ हिस्सा काकसर रेंज की ऊंची पहाड़ियों पर बैठे पाकिस्तानी सैनिकों की फायरिंग रेंज में है। बीएसएफ के एक जवान ने कुछ ज़रूरी सावधानियों के लिए चेकपोस्ट पर हमारे वाहनों को रोका। ÷आप दुश्मन की फायरिंग रेंज में हैं। अपने वाहनों के बीच लगभग 100 मीटर की दूरी रखें। अंधेरे के दौरान भी कोई लाइट न जलाएं। तेज़ी से ड्राइव करें और अगर आप पर फायरिंग भी हो जाए तो भी रुकें नहीं।

आख़िरी निर्देश काफी डरावना था। हमने कुछ वाहनों के मलबे को नदी में नीचे देखा तो हमारा डर और भी बढ़ गया। देर शाम तक हम कारगिल के एक होटल में पहुँच गए। शहर को नियंत्रण रेखा के पार से रोज़ाना तोपखाने की गोलाबारी का सामना करना पड़ रहा था। होटल एक तीन मंजिला बिल्डिंग थी लेकिन सभी मीडियाकर्मी पहली मंजिल के कमरे चाहते थे।

अब तक उन्हें पता चल चुका था कि टॉप फ्लोर पर तोप का गोला सीधी मार कर सकता है और अगर गोला होटल के कंपाउंड में फट जाता है, तो उसके छर्रे ग्राउंड फ्लोर के कमरों में जा सकते हैं। डीसी कारगिल भी

पास के एक होटल से कार्य कर रहे थे क्योंकि उनका कार्यालय फायरिंग रेंज में था। कारगिल शहर के अधिकांश लोगों को जांस्कर मार्ग पर कुछ दूरी पर सुरक्षित स्थान पर तंबुओं में शिफ्ट किया गया था। अगले दिन हम वहाँ गए। लोग बड़ी मुसीबत में थे। उन्होंने अपने जानवरों को खुला छोड़ दिया था क्योंकि घर में उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं था।

उससे अगले दिन हमें उस सड़क पर ले जाया गया, जो सिंधु नदी के किनारे पांच गांवों में बसे आर्य लोगों की ओर जाती है। आर्यों में बहुसंख्यक लद्दाखी लोगों से काफी अलग विशेषताएँ हैं। वे अपने सिर पर पगड़ी में फूलों को सजा कर रखते हैं, सिवाय उस समय के जब उनके परिवार में कुछ शोक होता है। वे आमतौर पर सेना के लिए मज़दूर के रूप में काम करते हैं। यह एक आर्य चरवाहा ही था जिसने सबसे पहले सशस्त्र घुसपैठियों को देखा और सेना को सूचित किया। सेना ने पता लगाने के लिए अपनी एक खोजी टीम भेजी थी। पाकिस्तानी सैनिकों ने घात लगाकर उन्हें पकड़ लिया और बाद में सभी को बेरहमी से मार दिया गया। उनके क्षत-विक्षत शव भारतीय सेना को सौंप दिए गए। यह अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का स्पष्ट उल्लंघन था। हमने आर्य लोगों से बात की जिन्होंने पाकिस्तानी घुसपैठियों की जानकारी दी थी।

अगली शाम जब मैं सैटेलाइट फोन के जरिए अपनी खबर आकाशवाणी दिल्ली भेज रहा था तो होटल का मालिक मेरे कमरे में आया। उन्होंने कहा कि लगभग एक साल पहले तक आकाशवाणी के समाचार बुलेटिनों में वह मेरा नाम सुनता रहा है। दिल्ली स्थानांतरित होने से पहले मैंने छह साल तक श्रीनगर में आकाशवाणी के वरिष्ठ संवाददाता के रूप में कार्य किया था। बातचीत में मैंने उसे एक दिलचस्प व्यक्ति पाया। 'सर, यह भारतीय सेना को घुसपैठ की पाकिस्तानी योजनाओं के बारे में जानकारी तो पिछले साल अक्टूबर से थी पर इन्होंने ज़रूरी कदम नहीं उठाए। उनके पास पाकिस्तान में अपने जासूसी एजेंटों से पूरी जानकारी थी।'

मैंने उसे यह कहते हुए टोका कि वह इतना सुनिश्चित कैसे हो सकता है। 'सर, घुसपैठ के क्षेत्रों के सभी ब्यौरे का एक पत्र 1998 के अक्टूबर में प्राप्त हुआ था। यह उर्दू में था और मुझे इसे पढ़ने के लिए सेना के अधिकारी ने बुलाया था क्योंकि वे उर्दू नहीं पढ़ सकते थे', उसने कुछ विस्तार से बताया। अब बात कुछ समझ में आ रही थी। और फिर बात करते हुए वह सुबकने लगा। मैंने उसे सांत्वना देने की कोशिश की तो कहने लगा, 'सर, पाकिस्तान हमारे लिए, कारगिल के लोगों के लिए कोई विकल्प नहीं है। हम शिया हैं और हम जानते हैं कि पाकिस्तान में शिया समाज पर क्या जुल्म हो रहे हैं। हमें भारत में ही रहना है। हमारे लिए कोई दूसरा घर नहीं है। लेकिन भारतीय सेना हमारी रक्षा नहीं कर पाएगी'। 'आप ऐसा क्यों महसूस करते हैं?' मैंने पूछा। 'शाम को जब मैं सेना के लिए उर्दू की चिट्ठी पढ़ने गया था तो मैंने वहाँ चौंकाने वाला नज़ारा देखा। सेना के अधिकारी नाच रहे थे और गा रहे थे एक ट्रेन बनाकर स्कूली बच्चों की तरह खेल कर रहे थे। वे शराब पी रहे थे। उन्होंने मुझे ठंड के मौसम में मेस के बाहर एक घंटे से अधिक समय तक बैठा कर रखा। क्या आपको लगता है कि ऐसे लोग हमें बचा सकते हैं? जिस अधिकारी ने मुझे फ़ोन कर बुलाया था वह भी नशे में था। हो सकता है कि उसने मेरी बात ठीक से सुनी ही न हो।' वह थोड़ा उत्तेजित और कुछ हताश लग रहा था। मैंने सेना के एक अधिकारी को विश्वास में लेकर यह मामला बताया। उसने कहा, 'जासूसों के पत्र हर साल आते हैं। इन पर विधिवत ध्यान दिया जाता है लेकिन बात अक्सर बढ़ा-चढ़ा कर लिखी गई या पूरी तरह से आधारहीन पाई जाती है। कुछ जासूस डबल एजेंट हैं। कभी-कभी ये पत्र पाकिस्तान की एजेंसियों द्वारा भी लिखवा कर भिजवाए जाते हैं, हमें गुमराह करने के लिए। सर्दियों के दौरान ऊँची चोटियों पर सैनिक तैनात करना बेहद मुश्किल है।' मैंने यह खबर नहीं भेजी। कच्ची खबर थी।

चौथे दिन, प्रेस पार्टी वापस श्रीनगर के लिए चल पड़ी। उसी दिन नई दिल्ली में सेना के प्रवक्ता कर्नल बिक्रम सिंह ने घोषणा की कि टाइगर हिल को मुक्त करा लिया गया है। कर्नल बिक्रम सिंह बाद में थल सेना अध्यक्ष भी बने। बीच में उनका एक ब्रिगेडियर के रूप में अनंतनाग में कार्यकाल रहा था। टाइगर हिल को फिर से जीतने की गाथा आने वाले हफ़्तों और महीनों में सामने आने वाली थी। सिपाही संजय कुमार को 2020 के गणतंत्र दिवस पर परम वीर चक्र के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार से नवाजा जाना था। कारगिल युद्ध बहादुर भारतीय सैनिकों ने एक कुटिल दुश्मन की बुरी नीयत और उसके षड्यंत्र को नाकाम करके जीता था। इसे इतिहास में याद किया जाता रहेगा। मेरी भी कुछ यादें इससे जुड़ी रहेंगी क्योंकि मैंने इसे अपनी आंखों से देखा था।

(साभार: लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं। जम्मू-कश्मीर में ऑल इंडिया रेडियो के संवाददाता व दूरदर्शन हिसार के समाचार निदेशक के पद से सेवानिवृत्त।)

मूर्ख स्वयं को बुद्धिमान समझते हैं, किन्तु वास्तविक बुद्धिमान स्वयं को मूर्ख ही समझते हैं।

- शेक्सपीयर

आज का इतिहास

- 1858 - अमेरिका और जापान ने हैरिस संधि पर हस्ताक्षर किए, जिससे जापान में अमेरिकी वाणिज्यिक व राजनयिक विशेषाधिकार सुरक्षित हुए।
- 1876 - भारत में इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टिवेशन ऑफ साइंस की स्थापना हुई। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास में महत्वपूर्ण संस्थान है।
- 1899 - पहला हेग कन्वेंशन, पहले औपचारिक बयानों के बीच अंतरराष्ट्रीय कानून में युद्ध और युद्ध अपराधों के कानूनों पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- 1921 - जर्मनी में एडोल्फ हिटलर को नेशनल सोशलिस्ट जर्मन वर्कर्स पार्टी का नेता चुना गया।
- 1949 - ब्रिटिश ब्राडकॉस्टिंग कारपोरेशन का रेडियो पर प्रसारण शुरू।
- 1957 - संयुक्त राष्ट्र ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) का गठन किया।
- 1973 - भारत में प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत हुई, जिसका उद्देश्य देश के राष्ट्रीय उद्यानों में बाघों का संरक्षण करना था।
- 1980 - मॉस्को ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम ने स्वर्ण पदक जीता था।
- 1981 - ब्रिटेन के राजकुमार चार्ल्स और राजकुमारी डायना की शादी हुई थी।
- 1983 - पहले चालक रहित विमान मिनी ने सफलतापूर्वक उड़ान भरी।
- 1996 - चीन ने लोपनोर में अपना 45वां भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।
- 2004- मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री के रूप में अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए बिमस्टेक-ईसी सम्मेलन में भाग लेने बैंकॉक रवाना।

निशाना

आयी बात निकल कर !

-कृष्णेन्द्र राय

है दिया भरोसा ।
होगा पूरा न्याय ।।
आयी बात निकल कर ।
आगे भी सहाय ।।
चल रहा है काम ।
देकर सब कुछ ध्यान ।।
कोशिश है अब पूरी ।
लौटे फिर सम्मान ।।
इंतज़ार है करना ।
हैं कितने गंभीर ?
दिख जाए धरातल ।
चमके जब तकदीर ।।
चली लंबी बातचीत ।
आए अब परिणाम ।।
सकारात्मक चल रही ।
अटकलें तमाम ।।

मौसम विभाग ने रतलाम, मंदसौर, नीमच में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया

नदी-नाले उफान पर, कई जिलों में निचली बस्तियों में भरा पानी, लोगों को नदी के घाटों पर जाने से रोका

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के कारण आम जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कई जिलों में नदी-नाले उफान पर चल रहे हैं। मौसम विभाग की ओर से रतलाम, मंदसौर, नीमच जिलों में अत्यधिक भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। इधर, बारिश के राजगढ़ जिले के सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। इस बीच महेश्वर में भी नर्मदा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। हालांकि अभी बाढ़ जैसी स्थिति नहीं बनी है, लेकिन बहाव तेज हो गया है और घाटों के आसपास के क्षेत्रों में सतर्कता बरती जा रही है। प्रशासन ने महेश्वरवासियों से अपील की है कि वे नर्मदा किनारे जाने से बचें और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें। नर्मदा नदी ने कई क्षेत्रों में रौद्र रूप ले लिया है, जिससे निचले इलाकों में डर का माहौल है। प्रशासन पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

नर्मदा उफान पर, 200 गांवों में हाई अलर्ट

राजगढ़ में स्कूलों की छुट्टी घोषित

राजगढ़ जिले में अत्यधिक बारिश को देखते हुए सभी प्राइवेट-सरकारी स्कूलों को कक्षा नर्सरी से लेकर 12वीं तक की छुट्टी घोषित कर दी गई है। जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा जारी किए गए आदेश में स्पष्ट किया गया है कि शिक्षकों को स्कूल में उपस्थित रहना होगा।

इंदिरा सागर और ओंकारेश्वर डैम के गेट खुले

इंदिरा सागर डैम से गेटों के माध्यम से 1620 क्यूसेक और पावर हाउस से 1840 क्यूसेक, कुल 3460 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। वहीं, ओंकारेश्वर डैम से 1614 क्यूसेक गेटों से और 1896 क्यूमेक्स टरबाइनों से, कुल 3510 क्यूसेक पानी नर्मदा में छोड़ा जा रहा है। जलस्तर बढ़ने के कारण नर्मदा के डाउनस्ट्रीम के 200 से अधिक गांवों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। खंडवा, खरगोन, धार और बड़वानी जिलों में प्रशासन और पुलिस सतर्क हैं। ओंकारेश्वर घाटों पर जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

आज खुले तवा डैम के 9 गेट

सिवनी मालवा क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के चलते नदी नाले उफान पर हैं वहीं कई ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क सड़क मार्ग से टूट गया है। वहीं दूसरी ओर बरगी और तवा डैम का पानी लगातार डिस्चार्ज करने के कारण नर्मदा नदी भी पूर पर चल रही है। तवा डैम के कैंचमेंट एरिया में हो रही तेज बारिश के कारण आज सुबह 7 बजे तवा डैम के 9 गेट खोलकर पानी डिस्चार्ज किया गया। आज का डैम का जल स्तर 1159.80 फ़ीट है। साथ ही बरगी जलाशय से भी अतिरिक्त जल की निकासी की जा रही हैं। कार्यपालन यंत्री तवा परियोजना अंकित सराफ ने तवा एवं नर्मदा नदी के किनारे बसे हुए गांव के लोगों को सतर्क रहने व नदी किनारे न जाने की अपील की है।

पुलिस ने विद्यार्थियों को बताए नशे के दुष्परिणाम, दूर रहने की दिलाई शपथ

रायसेन। जन-जागरूकता अभियान के तहत नशे से दूरी है जरूरी के अंतर्गत रायसेन पुलिस ने पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय रायसेन में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशा मुक्त समाज की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रायसेन पंकज कुमार पाण्डेय ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा केवल व्यक्ति की मानसिक और शारीरिक सेहत को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि यदि उनके आसपास कोई नशा करता है तो उसे इस आदत से बाहर निकालने में मदद करें और नशे के दुष्परिणामों से उसे अवगत कराएं।इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा नशे के दुष्परिणाम पर एक प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति दी गई, जिसमें नशा करने से व्यक्ति और उसके परिवार पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को जीवंत रूप से दर्शाया गया। इस प्रस्तुति ने सभी दर्शकों को गहरे रूप से प्रभावित किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण, पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नाग पंचमी पर शयन आरती के साथ होगा मेले का समापन ..

नागद्वारी मेला: दस दिनों से चल रहे आस्था और सेवा के महासंगम का आज अंतिम दिवस

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

भगवान भोलेनाथ की नगरी पचमढ़ी में पद्मशेष नागदेवता के दर्शन करने के लिए साल में एक बार की जाने वाली नागद्वारी यात्रा का इस साल का सफर आज नागपंचमी पर समाप्त होगा। प्रारंभिक तिथि से नागपंचमी तक अनुमानित पांच लाख श्रद्धालु नाग देवता के दर्शन कर चुके हैं। अंतिम दिवस भी भक्तों का रेला लगा हुआ है।

कलेक्टर सोनिया मीना ने पचमढ़ी पहुंचकर काजरी के समीप नागद्वारी ट्रैक का पैदल मार्ग से निरीक्षण कर उपस्थित अधिकारियों को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने को दृष्टिगत रखते हुए बेहतर एवं उचित भीड़ प्रबंधन के साथ-साथ समस्त सेक्टर पॉइंट्स पर आवश्यक सुविधाएं सुदृढ़ रखने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान कलेक्टर ने श्रद्धालुओं से चर्चा कर व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया।

नागद्वारी मेले में आने वाले भक्त नागद्वार गुफा में विराजित भगवान

पदम्शेष के करने पहुंचते हैं। भक्तों की मान्यता है कि पद्मशेष भगवान मन्नतों का देवता हैं। यही कारण है कि सात पहाड़ों को पार कर लगभग 20 किमी से अधिक की कठिन यात्रा कर श्रद्धालु नागद्वार गुफा तक पहुंचते हैं। नागद्वारी को लेकर कई रहस्यमयी कहानियां भी प्रचलित हैं। कई लोग इस गुफा को पाताल लोक का प्रवेश द्वार कहते हैं तो कई ऐसे भी श्रद्धालु हैं जो इसे भगवान शंकर के गले में विराजित नाग देवता का घर मानते हैं।

नागद्वार स्वामी सेवा ट्रस्ट मंडल के अध्यक्ष उमाकांत झाडे बताते हैं कि, कई वर्षों से यह यात्रा अनवरत जारी है। भगवान महादेव ने भस्मासुर से बचने के लिए अपने गले के नाग को यहां छोड़ा था। उसी समय से यह नाग देवता पदम् शेष का स्थान रहा है। मुगल कालीन लेखों से लेकर अंग्रेज अफसर केप्टन जेम्स फॉरसिथ की किताब हाइलैंड्स ऑफ़ सेंट्रल इंडिया में नागद्वारी यात्रा का स्पष्ट उल्लेख मिलता है। वृद्धजनों द्वारा भी बताया जाता है कि सन 1800 में अंग्रेजों के साथ राजा भभूत सिंह की सेना का युद्ध हुआ था। तब अंग्रेजी सेना पर हमला करने के बाद राजा भभूत सिंह और उनकी सेना ने नागद्वारी के आसपास स्थित गुफाओं और कंदराओं को विश्राम करने के लिए उपयोग किया जाता था। इन्हीं गुफाओं में अंग्रेजों से लड़ने की गुप्त रणनीति बनाई जाती थी।

हर्रापूरा में जर्जर शाला भवन को किया सील

इटारसी। दोपहर मेट्रो

राजस्थान में स्कूल भवन की छत गिरने से हुई बड़ी घटना के बाद से प्रदेश सरकार ने सभी शासकीय शाला भवनों के निरिक्षण करने के आदेश शिक्षा विभाग को दिये हैं। इसके तहत केसला ब्लॉक शिक्षा अधिकारी आशा मौर्य ने शासकीय स्कूल भवनों का औचक निरीक्षण किया। सोमवार को शिक्षा अधिकारी ने हर्रापूरा शाला भवन का निरीक्षण किया जहां शाला भवन जर्जर हालत में दिखाई दिया। जिसे तत्काल प्रभाव से ग्रामीणों के कथन लेकर सील किया गया। शाला भवन में और भी कई अनिमिताएं मिली। भवन के दूसरे कमरे में शिक्षक शंशाक बेले सोते दिखाई दिये, वहीं बिना सूचना दिये शिक्षक स्वदेश प्रधान अनुपस्थित मिले। बच्चों को मीनू के अनुसार भोजन नहीं दिया जाना भी पाया गया। शिक्षा अधिकारी आशा मौर्य ने बताया कि सभी शिक्षकों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। वरिष्ठ अधिकारी को पत्रचार करते हुये, लापरवाह शिक्षकों की वेतन रोकने की कार्यवाही के लिये लिखा जायेगा।क्योंकि यह सभी शिक्षक बच्चों की जान से खिलवाड़ करते नजर आये हैं। वहीं जन शिक्षक रामेश्वर काजले को पद से हटाने के लिये वरिष्ठ अधिकारी को पत्र भेजा जायेगा। क्योंकि इन्होंने निरीक्षण कर भवन की हालत को छुपाया था,इसके साथ ही अन्य शाला भवनों का भी निरीक्षण आगामी दिनों में किया जायेगा। शाला कॉरिडोर भवन में लगाई जाएगी। मौर्य ने बताया की आगे भी निरीक्षण किया जायेगा, जो भी खामिया मिलेंगी उसे सुधारने कदम उठाये जाएंगे।

जिस लावारिस शव को दफनाया था वह बैंक के सेल्स मैंनेजर का निकला

गुना। जिले से गायब हुए निजी बैंक के सेल्स मैनेजर के शव की पहचान परिजनों ने कर ली है। यह शव शिवपुरी जिले के कोलारस में सिंध नदी किनारे मिला था।जिसे कोलारस पुलिस ने सिंध नदी में होने की सूचना पर बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम कराया था। पानी में रहने से बॉडी फूल जाने से मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी, इसलिए पुलिस ने शव को दफना भी दिया। बाद में जब डेडबॉडी के फोटो गुना सहित आसपास के पुलिस थानों को भेजे गए तो गुना जिले की केंट थाना पुलिस ने इस बात की पुष्टि की कि मृतक सत्यदेव मिश्रा है।

बता दें कि एक निजी बैंक के सेल्स मैनेजर सत्यदेव मिश्रा न्यू सिटी कॉलोनी गुना स्थित घर से 22 जुलाई को रोजाना की तरह सुबह 10 बजे

बैंक गए। दोपहर 12 बजे घर लौटकर खाना खाया और फिर बैंक चले गए। इसके बाद उन्होंने बैंक में ही अपना मोबाइल और बैग छोड़ दिया और स्टाफ से 30 रुपए लेकर अशोकनगर जाने की बात कहकर निकले। इसके बाद वे लौटे नहीं। उनका मोबाइल बैंक में ही मिला, जिसे स्टाफ ने घर भिजवा दिया। इसके बाद उनके परिवार ने 24 जुलाई को गुमशुदगी दर्ज कराई।

मेट्रो एंकर रफी की पुण्यतिथि पर सजी सुरमई शाम, कार्यक्रम में पहली बार शामिल होने वाले हुए सम्मानित

मोहम्मद रफी तू बहुत याद आया... की प्रस्तुति पर श्रोता हुए मंत्र मुग्ध

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

म्यूजिक मेनिया सोसायटी फॉर सोशल एंड कल्चरल वेलफेयर के म्यूजिक ज़ोन ने मो.रफी की पुण्यतिथि के मौके पर रफी के गीतों से सजी एक सुरमई संध्या का आयोजन किया गया। आया सावन झूम के कार्यक्रम के तहत रफी के सभी विधाओं के गीतों से टीम ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

नर्मदा एजुकेशन सोसाइटी के पंडित रामलाल शर्मा स्कूल सभागृह में आयोजित इस रंगारंग प्रोग्राम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भवानी शंकर शर्मा विशेष अतिथि आकाशवाणी के कार्यक्रम प्रमुख राजेश भट्ट, म्यूजिक जॉन के संरक्षक गिरजा शंकर शर्मा एवं वरिष्ठ समाजसेवी राकेश फौजदार के साथ असीम विश्वास ने दीप प्रज्वलन कर किया। नन्हें से कलाकार अनेक गौर ने तेरी प्यारी प्यारी सूरत गाकर कार्यक्रम का आगाज किया। मो. इमरान और भाग्यश्री दसीला ने टाइटल सॉन्ग आया सावन झूम के से सारी महफ़िल में जोश भर दिया। असीम विश्वास ने खोया खोया चाँद, शिवपुरी से आए पूर्व मुख्य कार्यपालन अधिकारी हेमंत सूत्रकर ने न झटको जुल्फ से पानी गाकर माहौल रोमांटिक कर दिया। इसी माहौल को और हसीन बनाया मुकेश गढ़वाल ने तू मेरे सपनों की रानी बनेगी, गाया। सईद कुरैशी ने अकेले हैं चले आओ जहां हो की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में गंगाराम सोनिया ने मोहम्मद रफी तू बहुत याद आया गाया। मनोज चौधरी ने छू लेने दो नाजुक होठों को कु.रितु कुलश्रेष्ठ ने छुप गए सारे नजारे, तथा वैभव शुक्ला ने जनम जनम का साथ है.. पेश किया। अनूप गौर ने असीम विश्वास के साथ न किसी की आंख का नूर हूं.. प्रस्तुत किया। इस अवसर पर राजेश भट और मिंटू मालवीय का विशेष सम्मान किया गया। साथ ही म्यूजिक जोन के मंच पर पहली बार अपना प्रदर्शन करने वाले वैभव शुक्ला एवं अनूप गौर का भी सम्मान किया गया।

मरीजों को फ्रूट बास्केट प्रदान

नर्मदापुरम. प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत नर्मदापुरम जिले में सभी विकासखंडों में टीबी सक्रीनिंग का कार्य किया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले में तीन लाख से अधिक लोगों की जांच का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें से अब तक 54986 लोगों की टीबी स्क्रीनिंग टीबी स्टाफ, सीएचओ, एएनएम एवं आशा कार्यकर्ता द्वारा की जा चुकी है। सीएमएचओ डॉ. नरसिंह गेहलोत के मार्गदर्शन में 28 जुलाई को जिला क्षय केंद्र में 10 टीबी मरीजों को फूड बास्केट प्रदान की गई। इस अवसर पर जिला क्षय अधिकारी, डॉ संजय पुरोहित एमओडीटीसी, विशेष दुबे डीपीसी, हेमन्त अग्रवाल, श्याम वर्मा, चंदा शेख, वर्षा शर्मा सहित एनएचएम कार्यालय का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा।

रायसेन दरगाह से सेंडोरा बायपास तक 2.10 करोड़ से बनेगी सड़क

रायसेन. नगर के नागरिकों द्वारा लंबे समय से की जा रही दरगाह से सेण्डोरा बायपास तक सड़क निर्माण की मांग अब पूरी होने जा रही है। क्षेत्रीय विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी के प्रयासों से लोक निर्माण विभाग द्वारा इस सड़क के बी.टी. नवीनीकरण हेतु लगभग 2 करोड़ 10 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। डॉ. चौधरी ने स्वयं इस विषय को लेकर लोक निर्माण विभाग के मंत्री राकेश सिंह से भेंट की थी, जिसके पश्चात विभाग को तत्काल आवश्यक निर्देश जारी किए गए। विभाग द्वारा इस कार्य के टेंडर जारी कर दिए गए हैं, और बरसात समाप्त होते ही निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। सौगात के लिए डॉ चौधरी ने कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि इस सड़क के बन जाने से रायसेन नगर सहित आसपास के क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुविधा प्राप्त होगी। जनहित में यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित होगा।

एसपी का शिकंजा, धरनावदा पुलिस ने पकड़ा नशा तस्कर

गुना. एसपी अंकित सोनी के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थो की तस्करी में लिप्त माफियाओं तस्करों के विरूद्ध निरंतर कार्यवाहियां की जा रही हैं। इसी क्रम में धरनावदा थाना प्रभारी प्रभात कटारे और उनकी टीम ने नशीले पदार्थों के क्रय-विक्रय में शामिल एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसके एनडीपीएस एक्ट के एक प्रकरण में फरार होने से प्रकरण में पुलिस उसकी तलाश में थी। बता दें कि 25 जून को जिले के धरनावदा थाना पुलिस ने स्मैक तस्कर देवेन्द्र मीना निवासी पौरूखेड़ी थाना धरनावदा को 23.42 ग्राम अवैध मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है।

ट्रेन की चपेट में आने से बेटे की मौत, पीएम के लिए भटकता रहा पिता

विदिशा। एक पिता अपने बेटे का पोस्टमार्टम कराने के लिए जीआरपी से लेकर जिला अस्पताल तक के चक्कर काटता रहा। इसके बाद भी समय पर पोस्टमार्टम नहीं हो सका। पिता के मुताबिक शव सुबह जिला अस्पताल पहुंच गया था, जबकि शाम को पांच बजे पोस्टमार्टम हो सका। जीआरपी ने देरी का कारण पोस्टमार्टम के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया होना बताया है। शहर के टीलाखेड़ी निवासी परसराम यादव ने बताया कि उनका 25 वर्षीय बेटा सुरेंद्र यादव सोलर सिस्टम लगाने का काम करता था। वह अपने मित्र के जन्मदिन पार्टी में शामिल होने के लिए गंजबासौदा गया था, लेकिन सुबह उन्हें खबर मिली कि वह ट्रेन की चपेट में आ गया। जिस दोस्त की जन्म दिन पार्टी में शामिल होने गया था, उसका कहना है कि उसे रात को ही ट्रेन में बैठा दिया था। जीआरपी ने शव को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां पोस्टमार्टम होना था, लेकिन पूरी प्रक्रिया में आठ घंटे का समय लग गया। पोस्टमार्टम में हुई देरी को लेकर जीआरपी थाना प्रभारी आरएन रावत का कहना है कि अब ऑनलाइन प्रक्रिया होने लगी है।

टाइगर रिजर्व में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस

औबेदुल्लागंज। वन्यजीव संरक्षण और बाघों के महत्व के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से डॉ. वाकणकर टाइगर रिज़र्व द्वारा अंतरराष्ट्रीय टाइगर डे का आयोजन आज किया गया। यह कार्यक्रम औबेदुल्लागंज वन मण्डल प्रांगण के हाल में आयोजित हुआ। कार्यक्रम सुबह 11 बजे से प्रारंभ हुआ, जिसमें सभी वन अधिकारी, स्थानीय निवासी एवं स्कूली बच्चों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए रातापानी टाईगर रिजर्व (डॉ. वाकणकर टाइगर रिज़र्व) के दाहोद वन परिक्षेत्र अधिकारी कार्तिकेय शुक्ला ने बताया कि इस विशेष अवसर पर अनेक रचनात्मक व शिक्षाप्रद गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता भी शामिल थीं। बाघ के संरक्षण के लिए हर साल 29 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया जाता है।

किल्लत: बारिश से किसानों को अच्छी फसल की उम्मीद, लेकिन खाद के लिए हो रहे परेशान

दमोह जिले में पुलिस के पहरे में बांटना पड़ रहा यूरिया, फिर भी धक्का-मुक्की के बने हालात

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

अच्छी बारिश के चलते किसान इस साल अच्छी फसलों की उम्मीद लगा रहे हैं लेकिन, खेतों में मेहनत कर रहे किसान खाद की कमी से परेशान हैं। हालात यह हैं कि घंटों लाइन में लगे रहने के बाद भी उन्हें खाद नसीब नहीं हो रहा है। ऐसे में अब उनके सब्र का बांध टूटने लगा है। तेंदूखेड़ा के डबल लॉक गोदाम में ऐसे ही हालत बने जहां एक सप्ताह से यूरिया का इंतजार कर रहे किसान आक्रोशित हो गए। उन्होंने बैरिकेडिंग तोड़कर अंदर घुसने कि कोशिश की। वहां मौजूद पुलिस और प्रशासन के साथ धक्का -मुक्की के हालात बन गए। स्थिति को बमुश्किल नियंत्रित किया गया।

आक्रोशित किसानों का कहना था कि वरिष्ठ अधिकारियों की मनमर्जी के चलते हालात ऐसे बने हैं। कई किसानों को दो-दो बोरी यूरिया मिल गया है और बाकी सुबह से लाइन में खड़े होने के बाद भी यूरिया नहीं पा सके है। प्राप्त जानकारी अनुसार तेंदूखेड़ा क्षेत्र में लगभग एक सप्ताह से यूरिया उपलब्ध नहीं थी और रविवार को वितरण हेतु पांच ट्रक यूरिया आया था। उक्त यूरिया के वितरण के लिए सोमवार सुबह से डबल लॉक गोदाम में तीन काउंटर बनाए गए थे। खाद वितरण होने की जानकारी मिलने पर मौके पर किसान पहुंचने लगे और सैकड़ो की संख्या में आकर लाइन में लग गए। इस दौरान सर्वर डाउन होने और पीओएस मशीन से वितरण में हो रही देरी के कारण भीड़ बढ़ने लगी और किसान धक्का मुक्की भी करने लगे।

गोदाम में खाद वितरण के लिए बल तैनात

किसानों की भीड़ को देखकर सुबह से एसडीएम सौरभ गंधर्व द्वारा पुलिस बल और राजस्व विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों को डबल लॉक गोदाम में खाद वितरण के लिए तैनात किया गया था।, जिससे किसानों को यूरिया खाद लेने में दिक्कत ना हो जिसके। लिए तारादेही तेन्दूखेड़ा पुलिस स्टाफ के साथ राजस्व विभाग का स्टाफ था। इस दौरान एसडीएम सौरभ, एसडीओपी डीएस ठाकुर, तहसीलदार विवेक व्यास दमोह डीएमओ इंद्रपाल सिंह राजपूत, नायब तहसीलदार चंदशेखर शिल्पी, आरआई करन सिंह ठाकुर सहित पुलिस स्टाफ व राजस्व विभाग का स्टाफ मौजूद था। एसडीएम सौरभ गंधर्व का कहना है कि उन्होंने व्यवस्थाओं को और बेहतर करने का प्रयास किया था और अपने सामने ही उन्होंने सभी किसानों को यूरिया खाद वतरण कराया है।। उन्होंने बताया कि आंकलन की गई हुई जरूरत से थोड़ी अधिक यूरिया ही मंगाई गई थी और उसे सभी को वितरित किया गया है। चूंकि किसान काफी अधिक थे और पुलिस प्रशासन का अमला कम था जिसके चलते किसानों को परेशानी हुई। उन्हीं परेशानियों को दूर करने नई व्यवस्था बनाई गई थी।

एसडीएम ने बदल दी व्यवस्था

वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस की उपस्थिति में यूरिया का वितरण चल ही रहा था कि इसी दौरान वहां पहुंचे एसडीएम सौरव गंधर्व ने हालात देखकर व्यवस्थाओं में बदलाव किया और किसानों को टोकन देते हुए बनाए गए काउंटर के स्थान पर सीधे गोदाम से खाद्य वितरण किए जाने के निर्देश दे दिए। इसके बाद जैसे ही गोदाम के अंदर से खाद का वितरण शुरू हुआ, किसान अंदर जाने का प्रयास करने लगे। उन्होंने काउंटर की बेरिकेटिंग और लाइन तोड़ दी। अधिकारियों ने किसानों को शांत कराया।

खाद की कोई कमी नहीं -कलेक्टर

दमोह कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर का दावा कि जिले में कहीं भी खाद की कोई कमी नहीं है। तेंदूखेड़ा में कुछ देर के लिए पोर्टल स्लो होने के कारण प्रक्रिया धीमी हुई थी और किसानों को दिक्कत हुई। इसे बाद में सुधार लिया गया।

मूंग को जहर बताकर गलत जानकारी देने वालों पर कार्रवाई हो: किसान संघ

बैतूल। दोपहर मेट्रो

किसान की उपज मूंग को जहर बताकर बदनाम करने का प्रयास किया गया है। भारतीय किसान संघ ने हमेशा कहा कि मूंग में जहर नहीं है। यदि मूंग में जहर बताया जा रहा है तो प्रमाणिक जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए। ये मांग भारतीय किसान संघ ने गत दिवस आयोजित कार्यक्रम में की। संघ का कहना है कि जब सरकार ने ऑन रिकॉर्ड विधानसभा में माना कि मूंग में जहर नहीं है, तो फिर बिना जांच के किसान की उपज को जहर बताकर बदनाम करना गंभीर अपराध है। इसके साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को मूंग के संबंध मे अप्रमाणिक व गलत सूचना देकर भ्रमित कर सरकार व मुख्यमंत्री की छवि को किसानों के बीच खराब करने

वाले जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्यवाही होनी चाहिए। मुख्यमंत्री को गलत सूचना व अप्रमाणिक जानकारी देना शासकीय सिविल सेवा नियमों का स्पष्ट उल्लंघन प्रतीत होता है। कार्रवाई जरूरी है क्योंकि ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति न हो और कृषि क्षेत्र में संलग्न अन्नदाता किसान व उसकी उपज को न्याय मिल सके।

दमोह मार्ग पर स्थित गुरैया पुल के पास हुआ हादसा, पड़ताल जारी

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

दमोह-तेन्दूखेड़ा मार्ग पर स्थित लकी होटल के सामने एक बाइक सवार युवक को अज्ञात ट्रैक्टर चालक टक्कर मारकर भाग निकला जिससे हादसे में बाइक सवार की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि आशीष पिता सीताराम केवट उम्र 35 वर्ष निवासी ओरिया थाना माढ़ोताल जबलपुर अपने रिश्तेदार के यहां तेन्दूखेड़ा आया था। दमोह मार्ग पर स्थित लकी होटल के सामने एक तेज रफ्तार अज्ञात ट्रैक्टर चालक टक्कर मारते हुए मौके से भाग निकला। हादसे में बाइक सवार युवक की घटनास्थल पर मौत हो गई। पुलिस ने घटना की सूचना

मृतक के परिजनों को दी है। जहां आज सुबह मृतक युवक का पुलिस द्वारा पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव का पीएम कराया गया और शव परिजनों के सुपुर्द किया गया। घटना के संबंध में सहायक उपनिरीक्षक गजराज सिंह ठाकुर ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे थे युवक की मौके पर ही मौत हो गई थी तत्काल ही सूचना परिजनों को दे दी गई थी अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी गई है

नाबालिग बालिका को पुलिस ने बीना से बरामद किया

सागर। सानोधा के ग्राम शाहपुर से लापता हुई नाबालिग बालिका को पुलिस ने कुछ ही घंटों में बीना रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद कर लिया। बालिका को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार रात्रि लगभग 11 बजे थाना सानौधा प्रभारी भरत सिंह ठाकुर ने कंट्रोल रूम में पदस्थ उप निरीक्षक रेडियो आरकेएस चौहान को सूचना दी कि ग्राम शाहपुर से एक 16 वर्षीय नाबालिग बालिका घर से बिना बताए कहीं चली गई है। इस पर उपनिरीक्षक चौहान ने तकनीक की सहायता के आधार पर यह पता लगाया कि बालिका बीना क्षेत्र में हो सकती है। उन्होंने तुरंत थाना बीना एवं जीआरपी थाना बीना को सतर्क किया। डायल 100 की टीम को तत्काल बीना रेलवे स्टेशन रवाना किया गया। इसके साथ ही बालिका के परिजनों से बात कर उसके हुलिए व पहने गए वस्त्रों का विवरण लिया। बालिका की तलाश में लगी टीमों ने थोड़ी ही देर में बालिका की बीना रेलवे स्टेशन पर पहचान ली और सकुशल बरामद कर थाना बीना लाया गया। रात्रि में ही शाहपुर सानौधा थाना स्टाफ ने परिजनों को सूचित कर बालिका को सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया गया।

सानौधा पुलिस ने ग्रामीणों को दिलाई नशे से दूर रहने की शपथ

सागर। नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत थाना प्रभारी सानौधा निरीक्षक भरत सिंह ठाकुर एवं स्टाफ के ने ग्राम रंगोली की झुग्गी बस्ती में पहुंच कर नशा मुक्ति के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। पुलिस टीम ने ग्राम रगौली के झुग्गी बस्ती के निवासियों को नशे की प्रवृत्तियों से दूर रहने, इसके दुष्परिणामों को समझाने तथा समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में सहभागी बनने के लिए प्रेरित किया। ग्राम वासियो को संबोधित करते हुए पुलिस अधिकारियों ने नशा करने से होने वाले मानसिक, शारीरिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी ग्राम वासियों को नशा नहीं करने की शपथ भी दिलाई गई, जिसमें उन्होंने संकल्प लिया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे और दूसरों को भी इसके खिलाफ जागरूक करेंगे।

पंटवटी सिद्धधाम में पार्थिव शिवलिंग का रुद्राभिषेक और विर्सजन हुआ

तेंदूखेड़ा। सावन माह में नगर के पंचवटी सिद्ध धाम में भगवान भोलेनाथ की रुद्री बनाकर भक्तों द्वारा रुद्राभिषेक किया गया। इसके अलावा शाम को धूमधाम के साथ रुद्रियों का विसर्जन नगर के गौरैया घाट में किया गया। शाम के समय छोटे-छोटे बच्चों के द्वारा संगीतमय महा आरती की गई। इसके बाद महाप्रसाद का वितरण किया गया।। साथ ही सावन के हर दिन भगवान भोलेनाथ का अलग-अलग स्वरूपों मेंआकर्षक श्रंगार किया जाता है जिसे देखने के लिए प्रतिदिन भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। तेन्दूखेड़ा नगर के पंचवटी मंदिर, थाना परिसर स्थित पिपलेश्वर महादेव मंदिर सहित नगर के सभी शिव मंदिरों में शिव भक्तों द्वारा विधि विधान से भगवान शिव की पूजा अर्चना की गई।

ट्रेन गिरे युवक के दोनों पैर कटे, भोपाल रेफर किया

अशोकनगर दोपहर मेट्रो

रेलवे स्टेशन के पास देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। रातीखेड़ा की ओर रेलवे ट्रैक पर एक युवक ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसके दोनों पैर कट कर अलग हो गए। युवक की पहचान गौरव पुत्र पवन सिलावट (23 वर्ष) के रूप में हुई है, जो त्रिलोकपुरी कॉलोनी, अशोकनगर का निवासी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रात करीब 11 बजे जब कुछ लोग स्टेशन के पास से गुजर रहे थे, तब उन्होंने युवक को ट्रैक पर तड़पते हुए देखा। तत्काल इसकी सूचना रेलवे स्टेशन मास्टर को दी गई, जिन्होंने तुरंत जीआरपी पुलिस को सूचित किया। जीआरपी ने गंभीर रूप से घायल युवक को जिला अस्पताल पहुंचाया। लेकिन स्थिति नाजुक होने के कारण उसे तुरंत भोपाल रेफर कर दिया गया। फिलहाल गौरव का इलाज भोपाल के अस्पताल में चल रहा है। पुलिस के अनुसार, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है कि युवक किस ट्रेन की चपेट में आया और वह ट्रैक पर कैसे पहुंचा। उसके परिजनों को तत्काल सूचना देकर अस्पताल बुलाया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, परिजन यह भी नहीं बता सके कि गौरव घर से कब और क्यों निकला था। पुलिस मामले की जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि युवक ट्रैक पर कैसे पहुंचा और हादसा किन परिस्थितियों में हुआ। फिलहाल अस्पताल में उसके परिजनों की मौजूदगी में मेडिकल टीम इलाज में जुटी है।

मेट्रो एंकर | **बैतूल के आलमगढ़ के पास बोट रैयत गांव का मामला**

गर्भवती महिला को बैलगाड़ी में नदी पार कराना गांव वालों की मजबूरी

बैतूल। दोपहर मेट्रो

जिले के अंतर्गत आने वाले चिचोली ब्लाक आलमगढ़ के पास बोढ रैयत गांव में एक गर्भवती महिला को नदी में बाढ़ होने की वजह से बैलगाड़ी में बैठाकर नदीं पार कराई गई है। बताया जा रहा है कि, यहां लंबे समय से ग्रामीणों द्वारा प्रशासन से पुल बनाने की मांग की जा रही है, लेकिन प्रशासन की उदासीनता का खामियाजा हर बार ग्रामीणों को ही भुगतना पड़ रहा है। बारिश के दिनों में नदी पार करने के लिए ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर नदीं पार करनी पड़ती है।

ग्राम दूधिया में रहने वाले सुनील करोचे ने बताया कि, बोढरैयत ग्राम पंचायत के अंतर्गत पटेल ढाना और गौली ढाना आता है। दोनों के बीच में भाजी नदी पड़ती है। गौली ढाना के लोगों को पटेल ढाना आने के लिए नदी पार करनी पड़ती है। यहां नदी पार करने के लिए एक पुल तक नहीं है।पटेलढाना पहुंचने और कुछ कच्चा मार्ग तय करने के बाद ग्रामीण बैतूल-इंदौर स्थित हाईवे पर ग्राम आजमगढ़ पहुंचते है, फिर यहां से चिचोली जाते हैं। ग्रामीणों के अनुसार, रविवार सुबह गौलीढाना की एक प्रसूता सुनीता उइके को प्रसव पीड़ा हुई, जिसके बाद एंबुलेंस आई थी, लेकिन बीच में भाजी नदी होने और इसमें बाढ़ होने से ग्रामीणों ने महिला को मजबूरन बैलगाड़ी में लिटाकर नदी पार कराई गई। यहां से फिर एंबुलेंस की सहायता से महिला को अस्पताल पहुंचाया गया। ग्रामीणों का कहना है कि यहां पुल की मांग को लेकर पहले भी ग्रामीण कई बार विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन जिम्मेदार किसी शर्त पर भी हमारी गुहार नहीं सुन रहे हैं। ग्रामीणों की व्यथा नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। इस वजह से ग्रामीणों को बारिश के दिनों में जान जोखिम में डालकर नदी पार करनी पड़ती है। वीडियो वायरल होने के बाद कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इसे लेकर सरकार पर निशाना साधा है।

श्री गणेशाय नमः | ॐ नमः शिवाय

अखिल भारत हिंदू महासभा

द्वादश ज्योतिर्लिंग दर्शन एवं सावन मेला महोत्सव

कलचुरी भवन, चार इमली, अक्षय हार्ट हॉस्पिटल के सामने
26 - 27 - 28 जुलाई 2025

इस बार का सावन भोपालवासियों के लिए लेकर आ रहा है एक पावन अवसर – "द्वादश ज्योतिर्लिंग दर्शन एवं सावन मेला"

मुख्य आकर्षण:

- भारत के 12 पवित्र ज्योतिर्लिंगों की भव्य प्रतिकृतियाँ
- काशी विश्वनाथ बनारस के प्रसिद्ध ब्राह्मणों के द्वारा तीन दिवसीय पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं भारत की 7 पवित्र जीवनदायिनी नदियों (गंगा मैया, यमुना मैया, सरस्वती मैया, माँ नर्मदा, सरयू जी, बेतवा जी, अखंड भारत की पहचान पवित्र सिंधु नदी, साथ ही पवित्र कैलाश मानसरोवर के जल) से अभिषेक एवं पूजन अर्चन
- 50+ स्टॉल्स के साथ विशाल सावन मेला: जहाँ होंगे धार्मिक वस्त्र, पूजन सामग्री, आयुर्वेदिक उत्पाद, हस्तशिल्प, खाद्य सामग्री, झूले और बच्चों के खेल आदि
- धार्मिक विचार संगोष्ठी: आध्यात्मिक वक्ताओं द्वारा धर्म, जीवन मूल्य व सनातन संस्कृति पर प्रेरणादायक विचार
- शिव आर्ट गैलरी: शिवजी से जुड़ी कलात्मक कृतियों की प्रदर्शनी चित्रों, मूर्तियों व रचनात्मक प्रस्तुतियों का संगम
- प्रति दिन 111 अभिमंत्रित त्रिशूल वितरण: लकी ड्रा के माध्यम से चुने गए श्रद्धालुओं को प्रतीकात्मक त्रिशूल भेंट स्वरूप प्रदान किए जाएंगे
- 11 अभिमंत्रित तलवारों द्वारा मातृशक्ति सम्मान: विविध क्षेत्र से 11 सनातनी महिलाओं एवं कन्याओं को उनके सामाजिक योगदान हेतु तलवार एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया जाएगा
- विशाल भंडारा: सभी भक्तों के लिए भंडारा एवं प्रसादी वितरण **दिनांक 29 जुलाई 2025 को दोपहर 12:30** बजे से
- **हिंदू राष्ट्र की स्थापना** के लिए समस्त सनातनियों की जागृति एवं मनवांछित फल प्राप्ति हेतु 101 ब्राह्मणों द्वारा 11 कुंडीय विशेष वैदिक हवन **दिनांक 29 जुलाई 2025 को सुबह 9:30** बजे से

DM दोपहर मेट्रो DIGITAL | दोपहर मेट्रो | News 24 मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ | लल्लूराम

हर-हर महादेव!
शिव भक्त गौरव अध्वर्यु शर्मा
प्रदेश सह संगठन मंत्री
अखिल भारत हिन्दू महासभा (म प्र)
एवं मित्र मंडली

आइए, इस सावन भोपाल में शिवभक्ति, संस्कृति और संस्कारों के इस दिव्य संगम का हिस्सा बनें और पुण्य लाभ प्राप्त करें, साथ ही पूरे विश्व को दिखा दें कि हम सब एक हैं, **हर सनातनी एक है।**

+91 9810364008 +91 8962107290 +91 9617648005

अश्विन ने बेन स्टोक्स को लगाई लताड़, कहा-

अगर मैं कप्तान होता तो खेलता पूरे ओवर

लंदन, एजेंसी

भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने चौथे टेस्ट को निर्धारित समय से पहले खत्म करने की इंग्लैंड की कोशिशों के लिए उनके 'डबल स्टैंडर्ड' की आलोचना की जबकि क्रिकेट जगत ने भारतीय टीम के ड्रॉ के प्रस्ताव को स्वीकार करने के बजाय रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर को उनके शतक पूरे करने देने के भारत के फैसले का व्यापक समर्थन किया।

रविवार को मैच के आखिरी घंटे की शुरुआत के दौरान उस समय अजीब स्थिति हो गई जब मेजबान टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने भारतीय बल्लेबाजों को ड्रॉ की पेशकश की क्योंकि किसी टीम की जीत संभव नहीं दिख रही थी। लेकिन जडेजा और सुंदर समय क्रमशः 89 और 80 रन बनाकर खेल रहे थे और उन्होंने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया जिससे इंग्लैंड के कप्तान निराश हो गए। स्टोक्स ने बाद में कहा कि उन्होंने यह प्रस्ताव इसलिए दिया था क्योंकि वह अपने थके हुए मुख्य गेंदबाजों के चोटिल होने का जोखिम नहीं उठाना चाहते थे।

अश्विन ने उठाए सवाल

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, ''क्या आपने दोहरा मापदंड शब्द सुना है? उन्होंने पूरे दिन आपके गेंदबाजों को खेला, उनका सामना किया और अचानक जब वे शतक के करीब पहुंचते हैं तो आप बाहर चले जाना चाहते हैं? उन्हें ऐसा क्यों करना चाहिए?'' पूर्व ऑफ स्पिनर ने कहा, 'उन्होंने सुबह से आपके सभी गेंदबाजों का सामना किया और मैच ड्रॉ पर ओर पहुंचा दिया। उन्होंने कड़ी मेहनत की, आप चाहते हैं कि वे अपना शतक पूरा नहीं करें?' वहीं, अश्विन ने कहा, 'अगर मैं भारतीय कप्तान होता तो मैं पूरे 15 ओवर खेलता।' गावस्कर ने यही बात दोहराई कहा कि मैं उनसे बल्लेबाजी करते रहने और टीम को पूरे 15 ओवर तक मैदान पर बनाए रखने के लिए कहता।''

पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम का ऐलान..

फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर जेमी ओवर्टन की वापसी

लंदन, एजेंसी ›

भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 के तहत पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। इस सीरीज में चार मुकाबले हो चुके हैं। अब दोनों टीमों के बीच टेस्ट सीरीज का पांचवां एवं आखिरी मुकाबला 31 जुलाई (गुरुवार) से लंदन के ओवल मैदान पर खेला जाना है।

अब पांचवें टेस्ट मैच के लिए इंग्लैंड ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। टीम में फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर जेमी ओवर्टन की वापसी हुई है। ओवर्टन इस सीरीज में पहले तीन टेस्ट मैचों के लिए भी इंग्लिश टीम का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें मैनचेस्टर टेस्ट के लिए टीम से रिलीज कर दिया गया था, ताकि वो सरे के लिए काउंटी मैच खेल सकें। अब 31 साल के ओवर्टन की फिर से टीम में एंट्री हुई है।

भारतीय टीम में क्या बदलाव हुआ?

उधर ओवल टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम में भी एक बदलाव देखने को मिला है। विकेटकीपर बल्लेबाज और टीम के उप-कप्तान ऋषभ पंत दाहिने पैर में लगी चोट के चलते इस मुकाबले से बाहर हो गए हैं। पंत की जगह तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज नारायण जगदीशन की पांचवें टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम में एंट्री हुई है।

विश्व चैंपियन स्पेन को हराकर इंग्लैंड फिर बना महिला यूरोपीय चैंपियन

बासेल। गत विजेता इंग्लैंड ने विश्व चैंपियन स्पेन को पेनल्टी शूट आउट में 3-1 से पराजित करके लगातार दूसरी बार महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2025) का खिताब जीता। इंग्लैंड ने इस तरह से स्पेन से विश्व कप 2023 के फाइनल में मिली हार का बदलाव की चुकता कर दिया। स्पेन खिताबी हैट्रिक पूरी करने में नाकाम रहा। उसने विश्व कप के अलावा 2024 में यूईएफए नेशंस लीग का खिताब भी जीता था। स्पेन ने मैरियोना काल्डेन्ते के 25वें मिनट में हेडर से किए गए गोल से बढ़त बनाई। इंग्लैंड की तरफ से एलेसिया रुस्सो ने 57वें मिनट में हेडर से गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इससे अतिरिक्त समय के बाद स्कोर 1-1 से बराबरी पर था। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लेना पड़ा। टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई स्पेन की स्टार ऐताना बोनमाटी ने कहा, ''हम टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम थे, लेकिन कभी-कभी यह पर्याप्त नहीं होता। हमारी नजर अब 2027 में ब्राजील में होने वाले विश्व कप पर है। शूटआउट में बोनमाटी की स्पॉट किक इंग्लैंड की गोलकीपर हन्ना हैम्पटन द्वारा बचाए गए दो गोल में से एक थी। मैरियोना काल्डेन्ते की पेनल्टी भी बचा ली गई थी।

मैनचेस्टर टेस्ट ड्रा कराने में कामयाब रही टीम इंडिया, गिल बोले-

हम यह दिखाने में सफल रहे कि हम महान टीम क्यों है

मैनचेस्टर, एजेंसी ›

भारतीय कप्तान शुभमन गिल का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच के आखिरी दिन ऐतिहासिक प्रदर्शन से हार टालने का विश्वास लोकेश राहुल के साथ उनकी साझेदारी से उपजा है और टीम ने ऐसा करके यह जता दिया वे 'महान टीम' क्यों है। भारतीय टीम ने पहली पारी में 311 रन से पिछड़ने के बाद दूसरी पारी में बिना कोई रन बनाये दो विकेट गंवा दिए थे लेकिन गिल, रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने शानदार शतक जड़कर अपनी टीम को हार से बचाया। इस परिणाम से भारत के पास अब पांच मैचों की श्रृंखला में बराबरी करने का मौका होगा।

गिल ने कहा, 140 ओवर तक एक ही मानसिकता बनाए रखना बहुत चुनौतीपूर्ण है। एक अच्छी टीम और एक महान टीम में यही अंतर होता है। मुझे लगता है कि हमने आज यह दिखाया कि हम एक महान टीम हैं। उन्होंने कहा,

शून्य रन पर दो विकेट गंवाने के बाद मुझे लगता है कि मेरे और केएल (राहुल) भाई के बीच की साझेदारी ने उम्मीद जगा दी थी कि हम इस काम को कर सकते हैं। मैं बेहद, बेहद खुश हूं। जिस स्थिति में हम कल थे, वहां से ड्रॉ हासिल कर पाना बेहद संतोषजनक है। राहुल ने धैर्य और एकाग्रता का परिचय देते हुए 90 रन की पारी खेली और गिल के साथ तीसरे विकेट के लिए 188 रन की साझेदारी कर टीम के लिए मजबूत नींव तैयार की। इसके बाद जडेजा और सुंदर ने इंग्लैंड के गेंदबाजों को सफलता से दूर रखा।

सबसे संतोषजनक थी मेरी पारी

गिल ने कहा, मुझे लगता है कि मेरी सबसे संतोषजनक पारी थी। जडेजा और सुंदर ने एकाग्रता और धैर्य से बल्लेबाजी करते हुए इस जिम्मेदारी को दिलेरी से निभाया। उन्होंने इंग्लैंड के गेंदबाजों को दिन के आखिरी दो सत्र में कोई मौका नहीं दिया। गिल ने अपने टीम के साथियों की तारीफ करते हुए कहा, जब जड्डू भाई और वॉशी बल्लेबाजी कर रहे थे, तो यह आसान नहीं था। गेंद कुछ ना कुछ हरकत कर रही थी उन्होंने हालांकि जिस तरह से धैर्य से बल्लेबाजी करते हुए शतक जड़ा उससे आपको एहसास होता है कि यह कितनी बड़ी उपलब्धि है। सुंदर के लिए यह पारी बहुत खास थी क्योंकि यह उनका पहला टेस्ट शतक था। उनका यह शतक तब आया जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थीं।

दिव्या देशमुख ने चेस विमेंस वर्ल्डकप जीता, देश की 88वीं ग्रैंडमास्टर बनीं

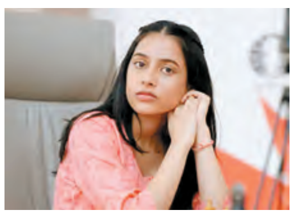

बातुमी (जॉर्जिया)। भारत की किशोर शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने अपने करियर की सबसे बड़ी सफलता हासिल करते हुए सोमवार को यहां हमवतन और अपने से कहीं अधिक अनुभवी कोनेरू हम्पी को टाईब्रेकर में हराकर फिडे महिला विश्व कप का खिताब जीता। इस जीत से 19 साल की दिव्या ने ना सिर्फ यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीता बल्कि साथ ही ग्रैंडमास्टर भी बन गईं जो टूर्नामेंट की शुरुआत में असंभव लग रहा था। वह ग्रैंडमास्टर बनने वाली सिर्फ चौथी भारतीय महिला और कुल 88वीं खिलाड़ी हैं। नागपुर की इस खिलाड़ी ने शनिवार और रविवार को खेले गए दो क्लासिकल मुकाबलों के ड्रॉ होने के बाद टाईब्रेकर में जीत दर्ज की। सोमवार को समय नियंत्रित टाईब्रेकर की पहली बाजी में सफेद मोहरों से खेलते हुए दिव्या ने हम्पी को फिर से ड्रॉ पर रोका लेकिन दूसरी बाजी में काले मोहरों से खेलते हुए उन्होंने दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन को हराकर 2.5-1.5 से जीत दर्ज की।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

आदिपुरुष ने तोड़ी उम्मीदें, रामायणम् ला सकती है बदलाव, बोले डायरेक्टर

फिल्म डायरेक्टर अश्विन कुमार की फिल्म महावतार नरसिम्हा 25 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर ऑडियंस से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। यह फिल्म विष्णु के नरसिंह अवतार पर आधारित एक एनिमेटेड पौराणिक कथा है, जिसे आज की पीढ़ी को ध्यान में रख तैयार किया गया है। वहीं डायरेक्टर अश्विन ने भारत में पौराणिक सिनेमा के बदलते रूप और फिल्म आदिपुरुष से मिले सबक को लेकर खुलकर बात की है। इसी के साथ उन्होंने रणबीर कपूर की फिल्म रामायणम् को लेकर बयान दिया है। बातचीत में डायरेक्टर अश्विन कुमार ने ओम राउत की आदिपुरुष के बारे में बात की, जो ऑडियंस को ज्यादा पसंद नहीं आई थी। अश्विन ने कहा, यह एक कोशिश थी जो नाकाम रही, बस इतना ही कहूंगा। जब उनसे इसकी वजह पूछी गई, तो उन्होंने बताया, क्योंकि इसमें बहुत सारा विज्ञान है, इसमें बहुत सारा गणित है जो पहले से ही मौजूद है। इसलिए कोई टिप्पणी नहीं। लेकिन मैं समझता हूं कि वे क्या करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा, मेरा मानना है कि यह इंडस्ट्री, लोगों और यहां तक कि प्रोड्यूसर के लिए भी अच्छी सीख थी। अच्छी बात यह है कि इस धरती के लोग हमें बार-बार एक ही कहानी सुनाने का मौका देते रहते हैं, क्योंकि ये शाश्वत कहानियां हैं। तो जाहिर है, अगर वह कहानी कामयाब नहीं हुई, अगर इसे सही तरीके से सुनाया जाए, तो मुझे लगता है कि यह कमाल कर सकती है। अब रामायणम् से बस यही उम्मीदें हैं।

दिल पे वार, धीमे आवाज़ में - किंग का 'शायद कोई न सुने' निकला साइलेंट ब्लास्ट!

किंग हमेशा से एक्सपेरिमेंट करने से नहीं डरे, लेकिन इस बार तो उन्होंने अपने म्यूज़िक करियर का सबसे शांत और सबसे बोल्ड मोड़ ले लिया है। शायद कोई न सुने, उनका नया ईपी (एल्बम का छोटा वर्ज़न), प्ले लिस्ट या चार्टबस्टर नहीं, बल्कि एक धीमी बगावत जैसा है - ऐसी बगावत जो भीड़ नहीं, अकेलेपन में गूंजती है। सिर्फ तीन ट्रैक्स - लेकिन ऐसा लगता है जैसे तीन खिड़कियाँ खुलती हैं उस कमरे की ओर जहाँ हम अपनी सबसे चुप भावनाएँ छुपा कर रखते हैं।

2023 के ईपी शायद वो सुने की इंट्रोस्पेक्टिव (भीतर झाँकने वाली) लहर को पकड़ते हुए, शायद कोई न सुने की शुरुआत होती है ये ज़िंदगी है से - एक धीमी आँच में सुलगता कन्फेशन। ना कोई बड़ा क्लाइमेक्स, ना शेर-ओ-शायरी की आतिशबाज़ी - बस एक सवाल हवा में तैरता है- क्या हम सच में ज़िंदा हैं, या बस रोबोट मोड में आगे बढ़ रहे हैं? किंग जवाब नहीं ढूंढ़ते, बस उस खामोशी में बैठ जाते हैं।

फिर आता है सब बेअसर - वो गाना जो उन सब

के लिए है जिन्होंने मेहनत की, खुद को बदला, आगे बढ़े और फिर भी दुनिया ने नोटिस तक नहीं किया। यहाँ नारा नहीं, सन्नाटा है। ऐसा लगता है जैसे कोई धीरे-धीरे प्रार्थना कर रहा हो - एक एक्सेप्टेंस कि बदलाव सच्चा होता है, चाहे कोई ताली बजाए या नहीं।

और फिर आता है स्पीक सॉफ्टली – जहां किंग सबसे ज्यादा कमज़ोर और सबसे ज्यादा सच्चे लगते हैं। जैसे कोई खुद से फुसफुसाकर कुछ कह रहा हो। ये गाना एक लोरी भी है और एक माफ़ीनामा भी - उन हिस्सों के लिए जो हम दुनिया से छुपा कर रखते हैं। जब वो कहते हैं मेरी जान, तो लगता है जैसे कोई अंधेरे में कंधे पर हाथ रख रहा हो - कह रहा हो, जो नर्मी बची है न, उसे संभाल के रख। दुनिया तो उसे घिसने पर तुली है। इस ईपी के बारे में किंग कहते हैं- 'शायद कोई न सुने' बनाते वक्त मेरा मकसद सिर्फ ऐसा म्यूज़िक नहीं था जो चार्ट में चढ़े या प्लेलिस्ट में फिट हो - मैं कुछ ऐसा बनाना चाहता था जो उस वक्त साथ दे, जब कोई साथ नहीं होता। ये गाने वो ख्याल हैं जो मैंने सालों से अपने अंदर दबा रखे थे - कभी ज़ोर से नहीं कहे। ये कोई परफेक्ट कन्फेशन नहीं हैं - ये उलझे हुए, चुपचाप सच हैं। खुद से बात करने जैसे। अगर एक इंसान भी इन गानों को सुनकर थोड़ा कम अकेला महसूस करे, तो मेरे लिए वही काफ़ी है। किंग का नया ईपी शायद कोई न सुने अब सभी म्यूज़िक प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है।

मेट्रो बाजार

भारत का पश्चिमी देशों को जवाब, हम कठपुतली नहीं

नई दिल्ली। भारत ने रूस से तेल खरीदने को लेकर पश्चिमी देशों की आलोचना पर दो-टूक जवाब दिया है। ब्रिटेन में भारत के राजनयिक विक्रम दोरईस्वामी ने साफ कहा है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को लेकर किसी के दबाव में नहीं आएगा। उन्होंने कहा, ÷हम दुनिया के तीसरे सबसे बड़े ऊर्जा उपभोक्ता हैं और अपनी अर्थव्यवस्था को खतरे में डालने का सवाल ही नहीं उठता।÷ भारत ने साफ कर दिया है कि वह किसी की कठपुतली नहीं है और अपनी आर्थिक नीति स्वविवेक से तय करेगा। रूस से तेल खरीदने पर प्रतिबंध लगाने की मांगों को खारिज करते हुए भारत ने ऊर्जा सुरक्षा को सर्वोपरि बताया है।

भारत की ऊर्जा निर्भरता- दोरईस्वामी ने बताया कि भारत को अपनी जरूरत का 80त्न से अधिक तेल विदेशों से आयात करना पड़ता है। ऐसे में वैश्विक राजनीतिक दबाव या प्रतिबंधों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता लेकिन भारत की प्राथमिकता अपनी जनता और अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखना है। उन्होंने तीखे लहजे में पूछा, क्या हम अपनी अर्थव्यवस्था को बंद कर दें?

तंज में जवाबः वफादारी का सर्टिफिकेट चाहिए क्या? भारत के डिप्लोमैट ने पश्चिमी देशों पर परोक्ष रूप से तंज कसा कि कुछ देश अपने हितों के लिए चुनिंदा दोस्तियां करते हैं लेकिन वही देश दूसरों पर दवाब बनाते हैं। दोरईस्वामी ने कहा, ÷क्या अब हमसे वफादारी का सर्टिफिकेट मांगा जाएगा?यूरोपीय यूनियन ने रूस पर 18वें दौर के प्रतिबंध लगाए हैं, जिनमें भारत की वाडिनार रिफाइनरी भी शामिल है। यह रिफाइनरी रूस की कंपनी रोसनेफ्ट से जुड़ी है और रिलायंस इंडस्ट्रीज भी इससे तेल खरीदती है।

औद्योगिक उत्पादन वृद्धि जून में सुस्त पड़कर 1.5 प्रतिशत पर, 10 महीने का निचला स्तर

नई दिल्ली। खनन और बिजली क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन के कारण देश के औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि इस साल जून महीने में सुस्त पड़कर 10 महीने के निचले स्तर 1.5 प्रतिशत पर रही। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। जून महीने में अत्यधिक बारिश से खनन और बिजली क्षेत्र की गतिविधियां प्रभावित हुई हैं, जिसका असर औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि पर पड़ा है।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के रूप में मापा जाने वाला औद्योगिक उत्पादन बीते साल जून में 4.9 प्रतिशत की दर से बढ़ा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने मई के औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर के आंकड़े को भी संशोधित कर 1.9 प्रतिशत कर दिया है, जबकि पहले इसके 1.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था।

अगस्त, 2024 के बाद औद्योगिक उत्पादन वृद्धि सबसे कम है। उस समय इसकी वृद्धि स्थिर रही थी। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने बयान में कहा, जून, 2025 के उत्तरार्ध में अत्यधिक बारिश से खनन उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका है। साथ ही बिजली उत्पादन में भी कमी आएगी। हालांकि, पिछले महीने की तुलना में दोनों क्षेत्रों के लिए स्थिति कुछ सुधरी है।'' एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन वृद्धि जून, 2025 में मामूली रूप से बढ़कर 3.9 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले इसी महीने में 3.5 प्रतिशत थी।

सिलेंडर से गैस रिसी देवरानी-जेठानी झुलसी, एक की मौत

भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित शिव नगर कॉलोनी में गैस रिसने से खाना बना रही देवरानी और जिठानी झुलस गई। गंभीर रूप से झुलसने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां इलाज के दौरान जिठानी की मौत हो गई, जबकि देवरानी का इलाज चल रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। थाना प्रभारी विनोद पंथी ने बताया कि प्रीति चौरसिया पति परमानंद चौरसिया (35) शिव नगर कॉलोनी में रहती थी। प्रीति संयुक्त परिवार में रहती है और उसके साथ देवर और देवरानी भी रहती है। गत 23 जुलाई की शाम प्रीति अपनी देवरानी राधा के साथ किचन में खाना बना रही थी। इसी बीच सिलेंडर खत्म हो गया। दोनों ने नया सिलेंडर लगाया। सिलेंडर ठीक से नहीं लगाने के कारण रेग्युलेटर से गैस लीक हो रही थी। इसी बीच दोनों में से किसी ने गैस का लाइटर चला दिया। इससे आग भड़क गई। चीख पुकार सुनकर किचन में पहुंचे परिजन ने आग पर काबू किया और आग से झुलस रही प्रीति सहित राधा की आग बुझाते हुए उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे थे। अस्पताल में इलाज के दौरान रविवार देर रात प्रीति की मौत हो गई, जबकि राधा का इलाज चल रहा है।

सारी शिकायतें छह महीने पुरानी, केवल एक छात्र ने जुटाई हिम्मत

एमडी तस्करों का खौफ : केवल एक ही पीड़ित छात्र ने दर्ज कराई शिकायत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमडी तस्कर यासीन अहमद उर्फ यासीन मछली और शाहवर अभी क्राइम ब्रांच की रिमांड पर है। आरोपियों का रसूख और हेकड़ी भी कम नहीं होती नजर नहीं आ रही है। आरोपियों को क्राइम ब्रांच जब भी उनके खर सबूत इकठ्ठा करने के इरादे से लेकर पहुंचती है, वहां मीडिया के सवालों पर भी वह नाराज हो जाते हैं।

मीडियाकर्मियों से बदतमीजी करने से भी बाज नहीं आ रहे हैं। आरोपियों के रसूख के चलते क्राइम ब्रांच की टीम भी कुछ खुलासा नहीं कर पा रहा है। इधर, एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच शैलेंद्र सिंह भी सिर्फ जांच का हवाला दे रहे हैं।

ऐसी स्थिति में यह कहना मुश्किल है कि क्राइम ब्रांच की चार दीवारी में आखिरकर क्या चल रहा है। यासीन और शाहवर के खिलाफ जितनी भी शिकायतें अब तक आई सभी पुरानी है।

केवल एक एफआईआर कोहेफिजा पुलिस ने रजी नामक युवक की शिकायत पर की है। रजी ने शिकायत के माध्यम से बताया कि एक महीने पहले यासीन ने अपने साथियों के साथ उसे अगवा कर लिया था। अगवा करने के बाद यासीन उसे कार से रातीबड़ के जंगल में लेकर पहुंचा था। वहां उससे बेरहमी से मारपीट की और तीस हजार रुपए छीन लिए। पुलिस का कहना है कि रजी के पास यासीन का कोई वीडियो या ऑडियो था। यह बात यासीन को पता चली तो उसने अपने दो साथियों के साथ मिलकर युवक का अपहरण कर लिया। क्राइम ब्रांच की टीम अखबार और मीडिया के माध्यम से लगातार उन लोगों तक जानकारी पहुंचा रही, जिनके वीडियो यासीन और शाहवर के मोबाइल पर मिले हैं। वीडियो में पीड़ित युवक और युवतियों तक पहुंचने का क्राइम ब्रांच प्रयास नहीं कर रही है।

इधर सूत्रों की माने तो क्राइम ब्रांच की टीम राजस्थान गई थी और वहां से बैरंग लौट आई। क्राइम ब्रांच को न तो वहां ड्रग होने और न ही हथियार की तस्करी होने का प्रमाण मिला है।

कोहेफिजा में दर्ज एफआईआर

कोहेफिजा थाने में दर्ज एफआईआर में रजी खान ने यासीन और उसके दो गुर्गों पर स्कॉर्पियो वाहन से अगवा कर रातीबड़ ले जाने की शिकायत दर्ज कराई है। रजी ने बताया कि 24-25 जून की रात यासीन ने चाकू की नोक पर अपने दो गुर्गों के साथ मिलकर उसे उठा लिया था। उसके साथ जमकर मारपीट की गई और तीस हजार रुपए छीन लिए गए। दरअसल, यासीन को कुछ युवतियों ने सोशल मीडिया पर बनाई गई आईडी पर ब्लॉक कर दिया था। यासीन का संदेह था कि यह सब रजी खान के कहने पर हुआ है।

आखिरकार युवतियों क्यों है पीछे

आरोपी यासीन मछली और शाहवर महंगी पार्टियां आर्गनाइज करते थे और युवतियों को नशे का आदी बनाकर उनसे ड्रग्स की तस्करी कराते थे। इसके अलावा दैहिक शोषण करने का भी दबाव बनाते थे। बावजूद इसके अभी तक पीड़ित ने किसी भी माध्यम से शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

परिचित ने बनाई लूटपाट की योजना साथियों के साथ मिलकर वारदात

भोपाल। गौतम नगर पुलिस ने रेपिडो चालक को चाकू अड़ाकर मोबाइल और बाइक लूटने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात को अंजाम देने वाला मास्टर माइंड रेपिडो चालक का परिचित निकला है। उसी ने राइड बुक करने के बाद उसे बुलाया जहां उसके दोस्तों ने लूटपाट की घटना को अंजाम दिया। इस मामले में एक फरार आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार मौजीलाल यादव मूलतः बैतूल का रहने वाला है। रेपिडो चालक से लूट का मामला फिलहाल वह शहंशाह गार्डन में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है और खर्चा निकालने के लिए पार्ट टाइम रेपिडो चलाता था। उसने दो महीने पहले ही एक हौंडा शाइन बाइक खरीदी थी। बीती चौबीस जुलाई की रात करीब 11 बजे जुनैद नामक व्यक्ति ने राइड बुक की थी। वह बाइक लेकर लोकेशन पहुंचा तो दो अज्ञात बदमाशों ने चाकू अड़ाकर उसका मोबाइल और बाइक लूट ली। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने एक विशेष टीम बनाई थी। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने राइड बुक करने वाले जुनैद निवासी फिजा कालोनी और उसके साथी शमीम अली निवासी वकील कालोनी निशातपुरा को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो मामले का खुलासा हो गया। दिखावे के लिए जुनैद से भी छीना था मोबाइल पुलिस ने बताया कि जुनैद ने राइड बुक करने के बाद अपने दो साथियों को लूट के लिए तैयार किया था। उन्हें पहले से बताई गई लोकेशन पर बिठा दिया था।

हथाईखेड़ा डेम के पास मछली पकड़ रहे युवकों, को पीटा, वीडियो वायरल

भोपाल। हथाईखेड़ा डेम के पास मछली पकड़ रहे चार मछुआरों के साथ बेरहमी से मारपीट का मामला सामने आया है। मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में आधा दर्जन बदमाश नजर आए। इनमें एक बदमाश बेल्ट तो दूसरा डंडे मारपीट करते हुए नजर आया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के बाद पुलिस संज्ञान में आई। इसके बाद अयोध्या नगर पुलिस ने चापर आरोपियों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कर लिया। जानकारी के अनुसार उक्त वीडियो दो दिन पुराना बताया जा रहा है। अयोध्या नगर पुलिस ने मारपीट करने वाले चार आरोपियों को किया गिरफ्तार वायरल वीडियो में चार युवक नीचे बैठे हुए हैं, जबकि उनके पास आधा दर्जन युवक खड़े हुए हैं। यह सभी युवक मछली ठेकेदार के मजदूर बताए जा रहे हैं। दरअसल, ठेकेदार ने तीन शिफ्ट में अलग अलग मजदूर लगा रखे है। यदि कोई मछली पकड़ने आता है तो ठेकेदार के आदमी उन्हें रोकते हैं। दो दिन पहले भी यही हुआ चार युवक अरहेड़ी गांव के पास मछली पकड़ने के लिए गए थे। इस दौरान मछली ठेकेदार के मजदूरों की नजर उन पर पड़ गई। मजदूरों ने चारों युवकों को बिठाया और उनके साथ गालीगलौज करते हुए बेल्ट और डंडे से मारपीट की।

कर्मचारियों ने लिया बाघों के संरक्षण का संकल्प

भोपाल। मध्यप्रदेश वन कर्मचारी मंच के पदाधिकारी ने आज अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर बाघों के संरक्षण का संकल्प लिया। मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि 2010 से अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस मन कर बाघों के संरक्षण की दिशा में देशभर में काम किए जा रहे हैं लेकिन वन माफिया शिकारी एवं अतिक्रमण कारियो के कारण बाघों के रहवास लगातार काम होते जा रहे हैं। जिस कारण बाघों का संरक्षण नहीं हो पा रहा है वन कर्मचारियों ने संकल्प लिया है कि बाघों के संरक्षण के लिए जन जागरण अभियान चलाएंगे।

हाइटेक चोर, ट्रेन में जेबकटों ने की कई वारदात

गुजरात के यात्री का बैग उड़ाया व एटीएम और मोबाइल के जरिए निकाले सवा लाख

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी से गुजरने वाली ट्रेनों में चोरी की वारदात थमने का नाम नहीं ले रही है। चोर इतने हाइटेक हो गए हैं कि वह बैग, पर्स और मोबाइल चुरा रहे हैं। एक हाइटेक चोर ने गुजरात के यात्री का बैग चुराया। बैग में रखा एटीएम और मोबाइल हाथ लगने पर आरोपी उनके खाते से 1 लाख 27 हजार 300 रुपए निकाल लिए। जीआरपी भोपाल ने चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। जीआरपी ने बताया कि विक्रमभाई पटेल (59) अखबार नगर, नया वाडज, अहमदाबाद में रहते हैं और गढ़ाकोटा में फर्म जेपीटो प्रो, प्रायवेट लिमिटेड की ब्रांच में नौकरी करते हैं। वे सोमनाथ से जबलपुर एक्सप्रेस से दमोह आ रहे थे। भोपाल रेलवे स्टेशन पर उनका बैग चोरी हो गया है। बैग में मोबाइल और पर्स सहित आधार कार्ड, पैन कार्ड और एटीएम रखा हुआ था। वे रेलवे स्टेशन पर रेलवे पुलिस से बात करने के इरादे से निकले पर कोई नहीं मिला। लिहाजा उन्होंने शिकायत दर्ज नहीं कराई। इधर, बैग चोरी करने वाले चोर के हाथ बैग से उनका एटीएम और मोबाइल लग गया था। आरोपी ने उनके गुजरात के दो एसबीआई अकाउंट से 1 लाख 27 हजार 300 रुपए निकाल लिए। दो यात्रियों की जेब काटी जैजैपुर, जिला जांजगीर चांपा छत्तीसगढ़ निवासी हरिहर नेताम (54) ने जीआरपी में शिकायत करते हुए बताया कि वह भोपाल-दाहोद एक्सप्रेस के डी-1 कोच में परिवार के साथ यात्रा कर रहे थे। उनके कुल छह बर्थ पर रिजर्वेशन थे।

रिश्ते के देवर ने चुराए महिला के जेवर गलाकर बना लिया 65 ग्राम का टुकड़ा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा पुलिस ने दो माह पूर्व हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में महिला के घर हुई चोरी का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला का रिश्ते का देवर है। उसने ही अलमारी का लॉक खोलकर जेवर चुराए थे। अपने साथी की मदद से चोरी के जेवर गलाकर 65 ग्राम वजनी सोने का टुकड़ा बना लिया था। पुलिस ने सोने का टुकड़ा बरामद कर लिया है। बरामद सोने की कीमत 6 लाख बताई गई है। पुलिस के मुताबिक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी कोहेफिजा निवासी रूबा अली ने 23 मई को रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि कोई अज्ञात चोर घर की अलमारी का लॉकर खोलकर उसमें रखे लाखों रुपए के सोने के जेवरात चुराकर ले गया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने नकबजनी का प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी। विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए। अहम सुराग मिलने पर अम्बेडकर नगर कमला नगर निवासी समीर अली उर्फ सैंकी (28) को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने घर से जेवरात चोरी करना कुबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि चोरी के जेवरात उसने अपने साथी राकेश साहू (32) निवासी प्रेमपुरा भदभदा रोड की मदद से गलाकर 65 ग्राम वजनी सोने का टुकड़ा बना लिया था। और उसे बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा था। पुलिस ने बताया कि आरोपी समीर अली फरियादिया का रिश्ते का देवर है। भरोसे का फायदा उठाते हुए उसने फरियादिया के घर की अलमारी में रखी सोने की ज्वैलरी लॉकर का लॉक खोलकर चुरा ली थी।

नशे की लत पूरी करने महिलाओं से झपटमारी करने वाले नाबालिग सहित दो गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया पुलिस ने 5 दिन पहले खरीदारी करने हाट बाजार गई महिला का पर्स झपटकर भागे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पर्स में सोने की चेन, मोबाइल व 13 हजार भारतीय रुपए तथा 40 हजार नेपाली रुपए रखे थे। गिरफ्तार झपटमारों में एक नाबालिग है। उन्होंने बताया कि सूखे नशे की लत व अपने शौक पूरे करने के लिए महिलाओं के साथ झपटमारी करते थे। आरोपियों के कब्जे मोबाइल, 11 हजार भारतीय रुपए 1105 नेपाली रुपए बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार अमराई परिसर बाग सेवनियां निवासी ज्योति लक्ष्मण दुत्रे पत्नी

आकाश सोनी (27) ब्यूटी पार्लर का काम करती हैं। 24 जुलाई की शाम करीब साढ़े 7 बजे वह अपनी बड़ी बहन जोया लक्ष्मन दुत्रे के साथ बागसेवनिया बाजार से होते हुए अपने घर जा रही थीं। इस बीच वे गणेश मंदिर के पास जलेबी की दुकान पर जलेबी खाने के लिए रुक गईं। इस बीच युवक दौड़ता हुआ आया और ज्योति लक्ष्मण के हाथ से हैंड बैग झपटकर मंदिर के सामने वाली गली में भाग गया।

बैग में सोने की एक चेन, 13 हजार भारतीय रुपए, 40 हजार नेपाली रुपए और मोबाइल फोन समेत जरूरी दस्तावेज रखा हुए थे। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद डर की वजह से दोनों बहनें घर चली गई थीं। शुक्रवार 25 जुलाई को थाने जाकर ज्योति लक्ष्मण ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ झपटमारी का प्रकरण दर्ज कराया। पुलिस की टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे 55 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले थे।

ढाबे के सामने खड़ी कार को ट्रक ने मारी टक्कर

भोपाल। सूखी सेवनिया स्थित एक ढाबे के सामने खड़ी कार को ट्रक ने टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। जानकारी के अनुसार बैरागढ़ में रहने वाले सूर्यसिंह शासकीय विभाग में इंजीनियर हैं। शनिवार की रात करीब साढ़े नौ बजे वह अपने परिवार वालों के साथ ग्राम सूखी सेवनिया स्थित ढाबे पर खाना खा रहे थे। उनकी कार ढाबे के बाहर सड़क किनारे खड़ी हुई थी। इसी दौरान भोपाल से विदिशा की तरफ जा रहे एक ट्रक ने उनकी कार में ड्रायवर साईट में टक्कर मार दी, जिससे कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने टक्कर मारने वाले ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

बाइक सवार मां-बेटे को तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर

भोपाल। खजूरी सड़क इलाके में बाइक सवार मां-बेटे को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। इसी इलाके में एक कार को आपे ऑटो ने टक्कर मार दी। इस हादसे में किसी को चोट नहीं आई, लेकिन कार को काफी नुकसान पहुंचा। पुलिस ने दोनों मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गजराद सिलोरिया (28) ग्राम कोलूखेड़ी में रहते हैं और लालघाटी स्थित एक निजी बैंक में सिक्योरिटी गार्ड का काम करते हैं। रविवार दोपहर करीब साढ़े बारह बजे वह अपनी मां भूरीबाई को बाइक पर लेकर कोलूखेड़ी से पिपलिया धाकड़ जा रहे थे। पिपलिया धाकड़ स्थित पुलिया के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही मां-बेटे बाइक समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे में भूरीबाई को ज्यादा चोट आई थी। पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इधर संजीव नगर निशातपुरा निवासी अमित कुमार रविवार को अपने परिवार के साथ ग्राम फंदा गए थे। शाम करीब चार बजे वह अपनी कार से लौट रहे थे। खजूरी सड़क हाईवे रोड स्थित मस्जिद के पास पहुंचे, तभी एक आपे आटो चालक ने उनकी कार में पीछे से टक्कर मार दी।

बाइक नहीं हटाने पर युवक से की मारपीट

भोपाल। बैरसिया इलाके में मामूली बात को लेकर एक युवक के साथ तीन-चार लड़कों ने मारपीट कर दी। जानकारी के अनुसार अमन वाल्मीकि (25) ग्राम जमूसरकला में रहता है। शाम करीब सात बजे वह अपनी बाइक लेकर गांव से नदी की तरफ गया था। बाइक खड़ा करने के बाद वह काम से जाने लगा तो वहां तार फैंसिंग कर रहे एक युवक ने उससे बाइक हटाने का बोला। अमन ने कुछ देर बाद बाइक हटाने की बात कही तो युवक ने अपने साथियों को बुलाया और उसके साथ मारपीट कर दी। उसके बाद थाने में रिपोर्ट करने पर जान से मारने की धमकी दी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-4917524, 2972022